www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, बुधवार
28 अक्टूबर 2026
वर्ष: 49
अंक: 168 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

उत्तराखंड विस सत्र 2026: अनुपूरक बजट, अध्यादेश व विधेयक सदन में पेश



भराड़ीसैंण । ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण में विधानसभा सत्र के पहले दिन मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 7844.18 करोड़ का अनुपूरक बजट पेश किया। इसमें राजस्व मद में 3679.86 करोड़ व पूंजीगत मद में 4164.32 करोड़ का प्रावधान किया गया। अनुपूरक बजट को मिला कर वित्तीय वर्ष 2026-27 में बजट का कुल आकार 119547.38 करोड़ हो गया है। मंगलवार को सदन में दिवंगत विधायकों के निधन प्रस्ताव पर बिना भोजनावकाश के शोक संवेदना व श्रद्धांजलि जारी रही। इसी बीच मुख्यमंत्री ने अपराह्न तीन बजे सदन में 7844.18 करोड़ का अनुपूरक बजट पेश किया। मार्च महीने में सरकार ने 111703.21 करोड़ का बजट पारित किया था। अनुपूरक बजट में सरकार ने जनकल्याण योजनाओं के साथ ही राज्य के विकास के लिए अवस्थापना विकास की योजनाओं के लिए बजट का प्रावधान किया है। हरिद्वार कुंभ मेला-2027 के लिए अवस्थापना विकास के लिए 290 करोड़ और गैरसैंण में जलापूर्ति बांध परियोजना के लिए 122 करोड़ का प्रावधान किया। 40 करोड़ की लागत से नवीन स्टेट डाटा सेंटर का निर्माण किया जाएगा। ग्रामीण, शहरी व स्थानीय निकायों में राज्य वित्त आयोग की सिफारिश के अनुरूप कर राजस्व 10.5 प्रतिशत से बढ़ा कर 12.5 प्रतिशत करने के साथ ही 721 करोड़ का प्रावधान किया गया। किसानों से धान व गेहूं की खरीद के लिए 1100 करोड़, पूंजीगत निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता के तहत अवस्थापना विकास के लिए 500 करोड़ का प्रावधान किया गया। इसके अलावा जल जीवन मिशन में ठेकेदारों को बकाया भुगतान के लिए 300 करोड़, उच्च शिक्षा व विद्यालयी शिक्षा में डिजिटल लर्निंग के लिए 200 करोड़ का प्रावधान किया गया। आयुष्मान योजना में पांच लाख तक निशुल्क इलाज के लिए 100 करोड़ व कर्मचारियों व पेंशनरों को गोल्डन कार्ड पर कैशलेस इलाज के लिए 125 करोड़ का प्रावधान किया गया।बजट में जन कल्याणकारी पेंशन के लिए 93 करोड़, ज्योतिष, आयुर्वेद, योग, ध्यान, आध्यात्म के अध्ययन को बढ़ावा देने के लिए मदन मोहन प्राच्य संस्थान ऋषिकेश की स्थापना के लिए दो करोड़, ऊधमसिंह नगर जिले के खुरपिया फार्म परियोजना में विद्युत व्यवस्था के लिए 270 करोड़ का प्रावधापन किया गया। पिथौरागढ़, रुद्रपुर मेडिकल कॉलेज व नर्सिंग कॉलेजों के लिए 160 करोड़, हरिद्वार-गंगा कॉरिडोर परियोजना के लिए 30 करोड़, नंदा देवी राजजात योजना के लिए 20 करोड़ की बजट में व्यवस्था की गई।

सीएम धामी बोले—जनविश्वास पर खरा उतरते रहेंगे



भराड़ीसैंण । उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि जिस तरह से उनकी सरकार ने काम किया है, वह अनवरत जारी रहेगा। जनविश्वास पर खरा उतरते रहेंगे। अनुपूरक बजट सदन पटल पर रखने के बाद मीडिया से बातचीत में सीएम धामी ने अपने कार्यकाल का लेखा-जोखा पेश किया। सीएम धामी ने कहा कि पांच साल के भीतर प्रदेश आर्थिक रूप से काफी बदला है। 2020-21 का बजट 64,489 करोड़ था जो आज बढ़कर 1,19,000 करोड़ पार चला गया है। 2022 में सकल राज्य घरेलू उत्पाद 2.55 लाख करोड़ से बढ़कर 3.82 लाख करोड़ पर पहुंच गया है। प्रतिव्यक्ति आय 2022 में 1.95 लाख से बढ़कर 2.74 लाख रुपये हुई। गरीबी 9.7 से घटकर 6.92 प्रतिशत आ गई। सौर उत्पादन 439 से बढ़कर 1271 मेगावाट हो गया। विदेशी पर्यटकों की संख्या 2022 में 64,489 से बढ़कर 1.92 लाख 533 पर पहुंच गई।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रपति पुलिस ध्वज से सम्मानित होगी चंडीगढ़ पुलिस

बड़ी उपलब्धि, 1 नवंबर को अमित शाह सौंपेंगे सम्मान

चंडीगढ़ (एजेंसी)। सिटी ब्यूटीफुल की चंडीगढ़ पुलिस के लिए बड़ी उपलब्धि सामने आई है। पुलिस बल को प्रतिष्ठित राष्ट्रपति पुलिस ध्वज से सम्मानित करने के प्रस्ताव को राष्ट्रपति ने मंजूरी दे दी है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 26 अक्टूबर को इसकी जानकारी दी। केंद्रीय गृह



मंत्री अमित शाह 1 नवंबर को चंडीगढ़ पुलिस को यह सम्मान प्रदान करेंगे। बता दें कि राष्ट्रपति पुलिस ध्वज पुलिस संगठनों को दिए जाने वाले सर्वोच्च सम्मानों में से एक है। यह सम्मान कानून-व्यवस्था बनाए रखने, पुलिस के आधुनिकीकरण, आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित कार्रवाई और नागरिकों को बेहतर सेवाएं देने में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रदान किया जाता है। रिकॉर्ड के मुताबिक, वर्ष 2009 से अब तक चंडीगढ़ पुलिस ने कानून-व्यवस्था से जुड़े 60,501 कार्यक्रमों और आयोजनों को संभाला है। इनमें वर्ष 2025 के 2,582 कार्यक्रम भी शामिल हैं।

वेस्ट बंगाल में रेप-मर्डर के आरोपी की मुठभेड़ में मौत

क्राइम सीन रीक्रिएशन के दौरान रिवॉल्वर छीनी थी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के नॉर्थ 24 परगना जिले के गायघाटा में 17 साल की छात्रा से रेप और हत्या के आरोपी 23 साल के युवक की पुलिस एनकाउंटर में मौत हो गई। सोमवार रात क्राइम सीन रीक्रिएशन के दौरान आरोपी ने पुलिसकर्मी की सर्विस रिवॉल्वर छीनकर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में उसे गोली लगी। पश्चिम बंगाल में 1 मई से 24 सितंबर तक रेप के 2,454 मामले



दर्ज हुए। यानी इन पांच महीनों में हर दिन औसतन करीब 17 रेप के मामले सामने आए। क्राइम सीन रीक्रिएशन के दौरान पुलिस की रिवॉल्वर छीनकर फायरिंग करने वाले आरोपी की मौत की यह तीन महीने में दूसरी घटना है। पुलिस के मुताबिक, गोली लगने के बाद आरोपी को चांदपाड़ा ग्रामीण अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, आरोपी ने रिवॉल्वर कैसे छीनी और फायरिंग तक घटनाक्रम कैसे पहुंचा, इसकी जांच की जा सकती है। फायरिंग के दौरान पुलिसकर्मियों ने पास की नहर में छिपकर बचाव किया।

पैसे देकर चलाया गया था ई 20 के खिलाफ अभियान

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने किया दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। इथेनॉल मिक्स पेट्रोल यानी ई 20 पर हाल में खासकर सोशल मीडिया पर काफी बवाल मचा था। कई लोगों ने शिकायत की थी इससे गाड़ियों का इंजन खराब हो रहा है और माइलेज पर भी असर पड़ रहा है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि पेट्रोल में 20 फीसदी इथेनॉल मिलाने को लेकर विरोध 'पैसे देकर चलाया गया अभियान' था। गडकरी ने एक कार्यक्रम में कहा, ''तीन महीने पहले ई20 ईंधन के खिलाफ काफी शोर मचाया गया था। अब ई20 ईंधन को लेकर नाराजगी खत्म हो गई है... यह पैसे देकर चलाया गया अभियान था।



तमिलनाडु की जेल से 17 कैदी फरार, 5 गिरफ्तार

मिर्गी के दौरे का नाटक कर गार्डों पर हमला किया 1995 के बाद प्रदेश की यह दूसरी बड़ी घटना

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के थेनी जिले की थेक्कमपट्टी सब-जेल से सोमवार देर रात 17 कैदी फरार हो गए। कैदियों ने एक साथी को मिर्गी का दौरा पड़ने का नाटक किया। उसकी मदद के लिए जैसे ही जेलकर्मी सेल में पहुंचे, सभी ने उन पर हमला कर दिया और फरार हो गए। पुलिस ने अब तक 5 कैदियों को गिरफ्तार किया है। बाकी कैदियों की तलाश जारी है। उन्हें पकड़ने के लिए 17 स्पेशल टीमें बनाई गई हैं। आसपास के जिलों में अलर्ट जारी किया गया है और पड़ोसी राज्य केरल की पुलिस को भी सूचना दी गई है। घटना के बाद ड्यूटी पर तैनात 9 जेलकर्मियों और अधिकारियों को लापरवाही के आरोप में सस्पेंड कर दिया गया है। तमिलनाडु में कैदियों के एक साथ फरार होने की यह 1995 के बाद बड़ी घटनाओं में से एक है।



उस साल वेल्लोर किले के अंदर बने विशेष हिरासत केंद्र से एसएफआई के 43 संदिग्ध सुरंग बनाकर फरार हो गए थे। उस सुरंग की लंबाई करीब 153 फीट (47 मीटर) थी।

16 जगहों पर चेकपोस्ट वाहनों की जांच जारी

घटना के बाद आसपास के जिलों की पुलिस को अलर्ट कर दिया गया है। पड़ोसी डिंडीगुल जिले में 16 जगहों पर चेकपोस्ट बनाए गए हैं। यहां से गुजरने वाले वाहनों की जांच की जा रही है, ताकि फरार कैदियों को पकड़ा जा सके। डिंडीगुल के पुलिस अधीक्षक एस. जयकुमार ने चेकपोस्ट बनाए जाने की पुष्टि की है। पुलिस ने मदुरै, डिंडीगुल और केरल के इडुक्की जिले के अधिकारियों को भी घटना की जानकारी दी है।

विशाखापट्टनम से टकराने वाला है तूफान 'अर्नब'

ओडिशा-आंध्र में स्कूल बंद, बंगाल में भी बारिश का अलर्ट

भुवनेश्वर (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी में उठे भीषण चक्रवाती तूफान 'अर्नब' के पूर्वी तट की ओर बढ़ने के साथ ओडिशा के कुछ हिस्सों में मंगलवार को तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हुई। मौसम विभाग ने तूफान के 28 अक्टूबर की सुबह आंध्र प्रदेश के तट पर बापटला और विशाखापत्तनम के बीच यानम के पास पहुंचने का अनुमान जताया है। आईएमडी के अनुसार, तूफान मंगलवार सुबह बंगाल की खाड़ी के पश्चिम-मध्य हिस्से में विशाखापत्तनम से लगभग 260 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में केंद्रित था। इसके मंगलवार शाम तक पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ने और उसके बाद उत्तर-पश्चिम की ओर मुड़ने की संभावना है। तूफान के तट से टकराने के दौरान 115 से 125 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने और पवन के झोंकों की गति 140 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने का



अनुमान है। ओडिशा में आईएमडी ने पुरी, गजपति, गंजाम, रायगढ़ा, कोरापुट और मलकानगिरि जिलों के लिए भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इन जिलों में 12 से 20 सेंटीमीटर तक बारिश हो सकती है। बालासोर, भद्रक, जाजपुर, केंद्रपाड़ा, कटक और खुर्दा सहित 16 जिलों के लिए सात से 11 सेंटीमीटर बारिश का अनुमान जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया गया है।

बंगाल के कुछ हिस्सों में भारी बारिश का अनुमान

भीषण चक्रवाती तूफान अर्नब के प्रभाव से पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में 28 से 30 अक्टूबर के बीच भारी बारिश होने की संभावना है। आईएमडी के अनुसार, बंगाल की खाड़ी के पश्चिम-मध्य हिस्से में स्थित इस तूफान के उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ने और 28 अक्टूबर की सुबह आंध्र प्रदेश के तटीय हिस्से पर पहुंचने की संभावना है। दक्षिण बंगाल में 28 और 29 अक्टूबर को दक्षिण 24 परगना, पूर्व मेदिनीपुर, पश्चिम मेदिनीपुर, झाड़ग्राम, पुरुलिया, बांकुड़ा और पश्चिम बर्धमान जिलों में भारी बारिश होने का अनुमान है। आईएमडी ने कहा कि कोलकाता में अगले 48 घंटे के दौरान हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा

ओडिशा के आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी ने कहा कि राज्य स्थिति से निपटने के लिए तैयार है और संवेदनशील स्थानों पर कर्मियों तथा उपकरणों को तैनात किया गया है। निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। वहीं, आंध्र प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एपीएसडीएमए) ने बताया कि राज्य के उत्तरी तटीय जिलों में भारी बारिश की आशंका है। श्रीकाकुलम में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हो सकती है, जबकि तटीय जिलों में तेज हवाएं चलने लगी हैं। एपीएसडीएमए के प्रबंध निदेशक प्रखर जैन ने लोगों से सतर्क रहने और सुरक्षा संबंधी निर्देशों का पालन करने की अपील की है। ओडिशा के गंजाम, गजपति, रायगढ़ा, कोरापुट और मलकानगिरी जिले में 28 और 29 अक्टूबर को सभी स्कूल-कॉलेज और आंगनवाड़ी केंद्र बंद करने के आदेश दिए गए हैं। आंध्र के भी कुछ जिलों में स्कूल बंद करने के आदेश दिए गए हैं।

एसआईआर पर अब दीवाली बाद होगी 'सुप्रीम' सुनवाई

ईसी के हलफनामे पर जवाब देने के लिए याचिकाकर्ताओं 10 दिन का समय

नई दिल्ली (एजेंसी)। वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन और चुनाव आयोग के कामकाज को लेकर राहुल गांधी समेत विपक्षी दलों के नेताओं की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को सुनवाई हुई। चुनाव आयोग ने अपने 248 पेज के



हलफनामे में आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि एसआईआर से जुड़े सभी फैसले तीनों चुनाव आयुक्तों की सर्वसम्मति से लिए गए थे। कोर्ट ने मुख्य मामले में याचिकाकर्ता राकेश कुमार सिंह को आयोग के जवाब पर हलफनामा दाखिल करने के लिए 10 दिन का समय दिया। इसके अलावा, सांसद डोला सेन की याचिका पर चुनाव आयोग को अतिरिक्त हलफनामा दाखिल करने के लिए इतना ही समय दिया। अब अगली सुनवाई 17 नवंबर को होगी। याचिका में आरोप लगाया गया है कि बिहार में एसआईआर के दौरान सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी के बिना फॉर्म-6 में बदलाव किए गए।

अरुणाचल पर कब्जे के फर्जी वीडियो पर भड़की बीजेपी

किरन रिजिजू ने कांग्रेस को घेरा कहा-देश से माफी मांगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोशल मीडिया पर भारत-चीन सीमा को लेकर एक वीडियो सामने आया, जिसमें दावा किया गया कि चीनी वाहन भारतीय क्षेत्र में घुस आए हैं। एक दूसरे वीडियो में सेना के



वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से कहा गया कि चीन ने अरुणाचल प्रदेश के कुछ इलाकों पर कब्जा कर लिया है और भारतीय सैनिकों को जरूरी सामान तक नहीं मिल रहा। इन दावों ने राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े किए, लेकिन भारतीय सेना की जांच में दोनों वीडियो भ्रामक पाए गए।

यूपी में गरीबों को 100 चूजे मुफ्त में देगी सरकार

गाय खरीदने पर 50 हजार सब्सिडी का भी किया ऐलान टीचिंग स्टाफ को 5 लाख का फ्री इलाज,लिए 22 फैसले

लखनऊ (एजेंसी)। योगी कैबिनेट ने फैसला किया है कि गाय खरीदने पर 50 प्रतिशत तक सब्सिडी राज्य सरकार देगी। यह केवल दो गाय खरीदने पर मिलेगी। इसके अलावा गरीब परिवारों को मुर्गी पालन के लिए 100-100 चूजे मुफ्त बांटे जाएंगे। सीएम योगी की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट मीटिंग में 22 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। कैबिनेट ने पंचायत चुनाव में वोटर बनने के लिए भी नए प्राविधान को मंजूरी दी।



पंचायत चुनाव में वोटर बनने के लिए छह महीने का निवास अनिवार्य

पंचायती राज चुनाव के लिए मतदाता का 6 महीने पहले से उस गांव का निवासी होना अनिवार्य होगा। कैबिनेट ने इसके लिए एक्ट में संशोधन को मंजूरी दे दी है। अब तक एक्ट में मतदाता कौन होगा ये तय नहीं था। अब संशोधन कर तय किया है कि भारत निर्वाचन आयोग की मतदाता सूची की तरह पंचायत राज की मतदाता सूची में 18 वर्ष की आयु का व्यक्ति जो सामान्य तौर पर 6 महीने या इससे ज्यादा समय से गांव में निवास करता हो उसे मतदाता बनाया जा सकेगा।

चार सरकारी अस्पताल पीपीपी मॉडल पर चलेंगे

सरकार ने बरेली के 300 बेड, बांदा के 200 बेड, अंबेडकरनगर के टांडा के 200 बेड और चित्रकूट के कर्वी के 200 बेड वाले अस्पतालों को पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल पर संचालित करने की मंजूरी दी है। यहां 12 विशेषज्ञ और तीन सुपर-स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की सेवाएं उपलब्ध कराने की योजना है। इलाज और ओपीडी की दरें लखनऊ के अनुरूप रहेंगी। इन अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड से भी इलाज कराया जा सकेगा। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने बताया कि कैबिनेट ने उत्तर प्रदेश अंतर्देशीय जलयान नियमावली को मंजूरी दे दी है। इनलैंड वाटर अथॉरिटी का गठन किया जाएगा। जल परिवहन की देखरेख के लिए अथॉरिटी बनेगी, जिसके अध्यक्ष परिवहन मंत्री होंगे। उन्होंने बताया कि गंगा, यमुना, सरयू, घाघरा समेत प्रदेश की 11 नदियों में चलने वाले नावों और स्टीमर का पंजीकरण अनिवार्य होगा। गैर-यात्री नावों के लिए 50 रुपए शुल्क तय किया गया है। साथ ही दुर्घटना से बचाव और सुरक्षा के लिए यात्रियों के साथ-साथ नाविकों का भी बीमा कराया जाएगा।

संपादकीय

गालियों की राजनीति

राजनीति में जब जनहित के मुद्दों पर चर्चा करने के बजाय राजनीति गाली–गलौज, व्यक्तिगत हमलों और एक–दूसरे पर आरोपों की बौछार तक सिमटने लगे, तो यह केवल राजनीतिक गिरावट नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों के कमजोर होने का भी संकेत है। मुद्दों की जगह कई बार व्यक्तिगत टिप्पणियां और अपमानजनक बयान सुर्खियां बन रहे हैं। एक नेता दूसरे पर आरोप लगाता है, दूसरा पलटवार करता है और फिर आरोपों का सिलसिला शुरू हो जाता है। राजनीतिक विरोध लोकतंत्र का अभिन्न अंग है। सत्ता से सवाल पूछना विपक्ष का अधिकार है और विपक्ष की आलोचना का जवाब देना सरकार की जिम्मेदारी। लेकिन सवाल यह है कि क्या असहमति व्यक्त करने के लिए अभद्र भाषा का सहारा लेना जरूरी है? क्या किसी की आलोचना करने के लिए उसके व्यक्तिगत जीवन, परिवार या सामाजिक पृष्ठभूमि पर टिप्पणी करना उचित है? राजनीति में भाषा की मर्यादा केवल नेताओं की व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का विषय नहीं है, बल्कि यह सार्वजनिक जीवन के संस्कारों को भी प्रभावित करती है। व्यक्तिगत तौर पर एक दूसरे के परिवारों को टारगेट करना एवं बिना प्रमाण के आरोप लगाना और फिर राजनीतिक लाभ के लिए उन्हें बार–बार दोहराना जनविश्वास को कमजोर करता है। जब बड़े मंचों से अपमानजनक भाषा का प्रयोग होता है, तो उसका प्रभाव आम नागरिकों और नई पीढ़ी पर भी पड़ता है। राजनीतिक विरोध धीरे–धीरे सामाजिक वैमनस्य में बदल सकता है और विचारों की असहमति व्यक्तिगत शत्रुता का रूप ले सकती है।सोशल मीडिया ने इस प्रवृत्ति को और तेज किया है। तीखी टिप्पणियां, अधूरे तथ्यों पर आधारित दावे और विवादित बयान तेजी से फैलते हैं। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि विरोधी को अपमानित करने से अपनी लोकप्रियता स्थायी रूप से नही बढ़ाई जा सकती। जनता को ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करे, नीतियों पर बहस करे और अपने काम का हिसाब दे। कभी भाजपा की ओर से तो कभी कांग्रेस या फिर कभी दूसरे क्षेत्रीय दलों की तरफ से व्यक्तिगत रूप से नेता और उनके परिवारों को निशाना बनाया जाता है। तीखी आलोचना भी शालीन भाषा में की जा सकती है और गंभीर आरोपों पर भी तथ्यों के आधार पर बहस हो सकती है।राजनीति में शब्द केवल बोलने का माध्यम नहीं, बल्कि नेतृत्व की सोच और संस्कारों का परिचय भी होते हैं। गाली–गलौज और निराधार आरोपों से कुछ समय के लिए सुर्खियां तो हासिल की जा सकती हैं, लेकिन इससे लोकतंत्र की प्रतिष्ठा नहीं बढ़ती।आज आवश्यकता इस बात की है कि राजनीतिक दल व्यक्तिगत हमलों से ऊपर उठकर जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता दें। जनता भी नेताओं का मूल्यांकन उनके बयानों की तीव्रता से नहीं, बल्कि उनके कार्यों, नीतियों और जवाबदेही से करे।

पाकिस्तान की पैरवी से कश्मीर का भला कैसे होगा



कांतिलाल मांडोत

फारूक अब्दुल्ला के विवादित बयानों से उठते सवाल और राष्ट्रीय हितों की कसौटी

कश्मीर की पहचान और सुरक्षा का आधार भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था है या पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय बयानबाजी...

जम्मू-कश्मीर की राजनीति में फारूक अब्दुल्ला लंबे समय से प्रभावशाली चेहरा रहे हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और तीन बार जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री रह चुके फारूक अब्दुल्ला के राजनीतिक बयानों का असर केवल प्रदेश तक सीमित नहीं रहता, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति और भारत-पाकिस्तान संबंधों पर भी पड़ता है। उनके बेटे उमर अब्दुल्ला इस समय जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री हैं। ऐसे में फारूक अब्दुल्ला का हर बयान राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हो जाता है। हाल ही में उन्होंने कहा कि पाकिस्तान कश्मीर का मुद्दा उठाता है, इसलिए कश्मीर के लोग बचे हुए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली से न्याय की उम्मीद नहीं है और दुनिया के दबाव के कारण दिल्ली चुप है। उनके इस बयान ने एक बार फिर राष्ट्रीय हितों, कश्मीर की पहचान और पाकिस्तान की भूमिका को लेकर बहस छेड़ दी है।

सवाल यह है कि पाकिस्तान द्वारा कश्मीर का मुद्दा उठाने से कश्मीर के लोगों का अस्तित्व कैसे सुरक्षित रहता है? क्या पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय बयानबाजी कश्मीरियों की सुरक्षा, रोजगार, शिक्षा और विकास की गारंटी है? पाकिस्तान दशकों से कश्मीर का मुद्दा उठाता रहा है, लेकिन सीमा पार आतंकवाद, घुसपैठ और हिंसा की घटनाओं ने जम्मू-कश्मीर के सामाजिक ताने-बाने को गहरी चोट पहुंचाई है। ऐसे में पाकिस्तान की पैरवी को कश्मीरियों के बचे रहने का आधार बताना तर्कसंगत नहीं लगता। फारूक अब्दुल्ला को स्पष्ट करना चाहिए कि उनके बयान का वास्तविक आशय क्या है और वे किस आधार पर पाकिस्तान की भूमिका को इतना महत्वपूर्ण मानते हैं।

फारूक अब्दुल्ला के विवादित बयान कोई नई बात नहीं हैं। नवंबर 2017 में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को लेकर उन्होंने कहा था कि वह पाकिस्तान के पास है और युद्ध करने से भी स्थिति नहीं बदलेगी। इसी दौरान उन्होंने पाकिस्तान की सैन्य क्षमता और उसके परमाणु हथियारों का उल्लेख करते हुए भी बयान दिया था। इन टिप्पणियों पर देशभर में राजनीतिक विवाद हुआ। आलोचकों ने आरोप लगाया कि ऐसे बयान पाकिस्तान के पक्ष को मजबूती देते हैं। दूसरी ओर, फारूक अब्दुल्ला ने अपने रुख को वास्तविक परिस्थितियों को स्वीकार करने और युद्ध के बजाय शांति का रास्ता अपनाने की जरूरत से जोड़कर प्रस्तुत किया। यहां यह समझना जरूरी है कि शांति की वकालत करना और पाकिस्तान के दावों को स्वीकार करने का संकेत देना दो अलग-अलग बातें हैं। जुलाई 2017 में कश्मीर विवाद के समाधान के लिए अमेरिका और चीन जैसे देशों की भूमिका पर चर्चा करने संबंधी उनके बयान ने भी राजनीतिक बहस को जन्म दिया था। भारत का आधिकारिक रुख रहा है कि जम्मू-कश्मीर से जुड़े मुद्दे भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय बातचीत से सुलझाए जाने चाहिए। ऐसे में तीसरे देशों की मध्यस्थता का सुझाव भारतीय कूटनीतिक नीति से अलग दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। किसी भी लोकतंत्र में सरकार की विदेश नीति की आलोचना करना गलत नहीं है, लेकिन राष्ट्रीय संप्रभुता से जुड़े विषयों पर बयान देते समय तथ्यों और संवैधानिक स्थिति का ध्यान रखना आवश्यक है। अप्रैल 2017 में कश्मीर में पत्थरबाजी करने वाले युवाओं को लेकर फारूक अब्दुल्ला के बयान भी विवाद का विषय बने थे। उन्होंने युवाओं की नाराजगी और उनकी शिकायतों को समझने की जरूरत पर जोर दिया था। निश्चित रूप से युवाओं की समस्याओं को सुनना और उनके भविष्य के लिए अवसर उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है। बेरोजगारी, शिक्षा और राजनीतिक भागीदारी जैसे मुद्दों पर गंभीरता से काम होना चाहिए। लेकिन युवाओं की समस्याओं को समझने और हिंसक गतिविधियों को उचित ठहराने के बीच अंतर बनाए रखना भी जरूरी है। राजनीतिक नेतृत्व का दायित्व युवाओं को हिंसा से दूर करके लोकतांत्रिक रास्ते पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है।

फारूक अब्दुल्ला ने हालिया बयान में कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों ने कभी भारतीय होने से इनकार नहीं किया और उनका भारत से जुड़ाव महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू तथा मौलाना आजाद के भारत से रहा है। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि सत्ता के लिए हिंदू-मुसलमान को आमने-सामने किया गया। सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखना देश के प्रत्येक राजनीतिक दल की जिम्मेदारी है। लेकिन किसी भी नेता को धार्मिक आधार पर राजनीति के आरोप लगाने से पहले अपने राजनीतिक कार्यकाल और अपनी पार्टी की भूमिका पर भी आत्ममंथन करना चाहिए। कश्मीर की पहचान किसी एक धर्म, दल या नेता तक सीमित नहीं है। इसमें कश्मीरी पंडितों का विस्थापन, आतंकवाद से प्रभावित परिवारों की पीड़ा, सीमावर्ती नागरिकों की कठिनाइयां और सभी समुदायों की आकांक्षाएं शामिल हैं।

फारूक अब्दुल्ला के बयानों की आलोचना करते समय उनके राजनीतिक विचारों और उनके समुदाय के प्रति भावनाओं को एक ही नजरिये से देखना भी उचित नहीं होगा। किसी नेता की मंशा पर व्यक्तिगत टिप्पणी करने के बजाय उसके सार्वजनिक बयानों, नीतियों और उनके प्रभावों का तथ्यात्मक विश्लेषण होना चाहिए। लोकतंत्र में असहमति का अधिकार सभी को है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे संवेदनशील विषयों पर जिम्मेदार भाषा का प्रयोग भी उतना ही महत्वपूर्ण है। जम्मू-कश्मीर की समस्याओं का समाधान केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से नहीं निकलेगा। केंद्र सरकार को नागरिकों की शिकायतों का निष्पक्ष समाधान करना चाहिए, रोजगार के अवसर बढ़ाने चाहिए और विकास योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना चाहिए। प्रदेश के राजनीतिक नेतृत्व को भी जनता के प्रति अपनी जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी। युवाओं को शिक्षा, कौशल विकास, खेल और उद्यमिता से जोड़ना चाहिए, ताकि वे हिंसा तथा कट्टरता के प्रभाव से दूर रह सकें। आतंकवाद और सीमा पार से होने वाली हिंसा के खिलाफ कठोर कार्रवाई के साथ निर्दोष नागरिकों के अधिकारों की रक्षा भी सुनिश्चित होनी चाहिए।

संवाद, शांति और सहयोग से वैश्विक चुनौतियों का समाधानः ओम बिरला



विनोद सिंह 'तकियावाला'



12वें ब्रिक्स संसदीय मंच का समापन; संयुक्त घोषणा पत्र में आतंकवाद के विरुद्ध समन्वित कार्रवाई और समावेशी वैश्विक व्यवस्था पर बल...

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि विश्व की गंभीर चुनौतियों का स्थायी समाधान संघर्ष में नहीं, बल्कि संवाद में, युद्ध में नहीं बल्कि शांति में और प्रतिस्पर्धा से अधिक सहयोग में निहित है। नई दिल्ली में आयोजित 12वें ब्रिक्स संसदीय मंच के समापन सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विभिन्न देशों के विचार, परिस्थितियाँ और चुनौतियाँ अलग-अलग हो सकती हैं, लेकिन मानवता के कल्याण, शांति और समृद्धि के प्रति उनकी प्रतिबद्धता समान है। यही ब्रिक्स की सबसे बड़ी शक्ति है।ओम बिरला ने सदस्य एवं भागीदार देशों के संसदीय प्रतिनिधिमंडलों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पिछले दो दिनों में मंच पर अनेक महत्त्वपूर्ण विषयों पर सार्थक विचार-विमर्श हुआ। प्रतिनिधियों ने न केवल वर्तमान वैश्विक चुनौतियों पर चर्चा की, बल्कि भविष्य में सहयोग की नई संभावनाओं पर भी विचार साझा किए।उन्होंने कहा कि आज विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में संघर्ष और अस्थिरता के साथ आर्थिक अनिश्चितताएँ भी बनी हुई हैं। ऐसे समय में संवाद, विश्वास और सहयोग का महत्त्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को ऐसा विश्व बनाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए, जहाँ प्रत्येक राष्ट्र की संप्रभुता का सम्मान हो, विवादों का समाधान शांतिपूर्ण तरीकों से किया जाए और विकास के अवसर सभी को समान रूप से उपलब्ध हों।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि वैश्विक शांति का वास्तविक अर्थ सभी के लिए सुरक्षा, सम्मान, न्याय और बेहतर भविष्य सुनिश्चित करना है। युवा पीढ़ी सहित विश्व का प्रत्येक नागरिक नेतृत्व से इसी प्रकार के भविष्य की अपेक्षा करता है। आने वाली पीढ़ियाँ देशों और उनके नेताओं का मूल्यांकन इस आधार पर करेंगी कि उन्होंने उनके लिए कितना सुरक्षित, शांतिपूर्ण और समृद्ध विश्व बनाया।संसदों की भूमिका को रेखांकित करते हुए बिरला ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में संसद जनता की आशाओं और आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति का सबसे महत्त्वपूर्ण केंद्र है। संसद केवल कानून बनाने का मंच नहीं, बल्कि संवाद, सहमति, जवाबदेही और जनविश्वास की संस्था भी है। विभिन्न संसदीय व्यवस्थाओं के बावजूद नागरिकों के हितों की रक्षा करना और जनता का विश्वास जीतना सभी देशों की साझा जिम्मेदारी है। इसके लिए संसदों को बदलते समय के अनुरूप अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जन-केंद्रित बनाना आवश्यक है।कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल तकनीक के बढ़ते प्रभाव पर उन्होंने कहा कि इनका जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग संसदीय कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बना सकता है। इससे नागरिकों की सहभागिता मजबूत होने के साथ सांसदों की दक्षता और कार्यकुशलता भी बढ़ सकती है। हालांकि, तकनीक का विकास मानवीय मूल्यों के अनुरूप होना चाहिए। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग नैतिकता, पारदर्शिता, जवाबदेही और मानव कल्याण के सिद्धांतों पर आधारित होना चाहिए। इस दिशा में विभिन्न देशों की संसदें अपने अनुभव और श्रेष्ठ कार्यप्रणालियाँ साझा कर महत्त्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं।

समापन सत्र में बिरला ने संयुक्त घोषणा पत्र पर सहमति बनने को सम्मेलन की महत्त्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि घोषणा पत्र में संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों, राष्ट्रों की संप्रभु समानता, पारस्परिक सम्मान, आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करने और अंतरराष्ट्रीय विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई गई है। इसमें आतंकवाद के सभी कृत्यों की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए संयुक्त राष्ट्र द्वारा नामित आतंकवादियों और आतंकवादी संगठनों के विरुद्ध समन्वित एवं ठोस कार्रवाई का आह्वान भी किया गया है। घोषणा पत्र में संसदीय सहयोग, डिजिटल तकनीक के उपयोग तथा अधिक समावेशी और प्रतिनिधिक वैश्विक व्यवस्था के महत्त्व को भी रेखांकित किया गया है।

ब्रिक्स की व्यापक भूमिका पर उन्होंने कहा कि यह संगठन विभिन्न क्षेत्रों, संस्कृतियों और विकास के अनुभवों को एक मंच पर लाता है। इसकी सफलता केवल सदस्य देशों की प्रगति तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसका सकारात्मक प्रभाव व्यापक विश्व समुदाय तक पहुँचना चाहिए। विशेष रूप से ग्लोबल साउथ के देशों की आकांक्षाओं को वैश्विक निर्णय प्रक्रियाओं में उचित स्थान मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि उद्देश्य किसी के विरुद्ध खड़ा होना नहीं, बल्कि सभी को साथ लेकर आगे बढ़ना होना चाहिए। ब्रिक्स अधिक समावेशी, संतुलित और न्यायसंगत विश्व व्यवस्था के निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।ओम बिरला ने कहा कि सम्मेलन का समापन हो रहा है, लेकिन सहयोग की साझा यात्रा जारी रहेगी। नई दिल्ली से दुनिया को यह संदेश जाना चाहिए कि संवाद निरंतर बना रहे, विश्वास मजबूत हो और सहयोग ठोस परिणामों में बदले। उन्होंने वर्ष 2027 के लिए ब्रिक्स की अध्यक्षता ग्रहण करने वाले चीन को शुभकामनाएँ देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि सहयोग की यह यात्रा आगे बढ़ेगी।अंत में लोकसभा अध्यक्ष ने सभी पीठासीन अधिकारियों, प्रतिनिधिमंडलों और विशिष्ट अतिथियों को उनकी सक्रिय सहभागिता के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने साझा संकल्प व्यक्त किया कि विकास मानवता की सेवा करे, तकनीक मानवीय मूल्यों को मजबूत बनाए और संसदें शांति, सहयोग तथा समृद्धि की सशक्त आवाज बनें।

स्तरहीनता एवं विरोध की भाषा में उलझती कांग्रेस



ललित गर्ग

खड़गे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हैं और लंबे राजनीतिक अनुभव के साथ पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। ऐसे व्यक्ति से सार्वजनिक मंच पर अधिक संयम और विवेक की अपेक्षा स्वाभाविक है। राजनीतिक सभा में कोई प्रतिकूल टिप्पणी हो जाए, तो उसका उत्तर तर्क, तथ्य और आत्मविश्वास से दिया जा सकता है।



लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष एक-दूसरे के विरोधी अवश्य होते हैं, लेकिन उनकी भाषा शत्रुता की नहीं, वैचारिक प्रतिस्पर्धा की होनी चाहिए। राजनीतिक मतभेद लोकतंत्र की शक्ति हैं, पर जब ये मतभेद व्यक्तिगत कटाक्ष, पारिवारिक टिप्पणियों और अपमानजनक शब्दों में बदलने लगते हैं, तब राजनीति का स्तर गिरता है और लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा प्रभावित होती है। भारतीय राजनीति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति कांग्रेस के अनेक नेताओं की आक्रामक टिप्पणियों और अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के पटना में दिए गए विवादास्पद बयान ने एक बार फिर भाषाई मर्यादा पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। 25 अक्टूबर 2026 को पटना में बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री डॉ. श्रीकृष्ण सिंह की 139वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में खड़गे की एक टिप्पणी राजनीतिक विवाद का कारण बन गई। कार्यक्रम में उपस्थित एक व्यक्ति की टिप्पणी के जवाब में उन्होंने कहा, ÷मोदी का बाप भी जाएगा।÷ इस बयान की भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने तीखी आलोचना की। दूसरी ओर, कांग्रेस ने इस टिप्पणी को वैचारिक संदर्भ में समझाने का प्रयास किया। समाचारों के अनुसार संबंधित व्यक्ति ने भी बाद में कहा कि उसकी पूरी बात नहीं सुनी गई थी। इस घटनाक्रम के विभिन्न पक्ष अपनी-अपनी व्याख्या प्रस्तुत कर रहे हैं, लेकिन विवाद से अलग एक बुनियादी प्रश्न अपनी जगह कायम है-क्या देश के सर्वोच्च राजनीतिक पद पर आसीन व्यक्ति के प्रति विरोध जताने का यही तरीका होना चाहिए?

खड़गे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हैं और लंबे राजनीतिक अनुभव के साथ पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। ऐसे व्यक्ति से सार्वजनिक मंच पर अधिक संयम और विवेक की अपेक्षा स्वाभाविक है। राजनीतिक सभा में कोई प्रतिकूल टिप्पणी हो जाए, तो उसका उत्तर तर्क, तथ्य और आत्मविश्वास से दिया जा सकता है। लेकिन जब जवाब व्यक्तिगत संबंधों और परिवार तक पहुंच जाए, तब मुद्दे की गंभीरता पीछे छूट जाती है और शब्दों का विवाद मुख्य समाचार बन जाता है। राजनीति में शब्द केवल वक्ता की तत्काल प्रतिक्रिया नहीं होते, वे उसकी सार्वजनिक जिम्मेदारी और लोकतांत्रिक संस्कारों की भी परीक्षा लेते हैं। कांग्रेस की राजनीति में नरेंद्र मोदी को लेकर तीखे और विवादास्पद वक्तव्यों का इतिहास भी इस बहस को व्यापक संदर्भ देता है। वर्ष 2007 में सोनिया गांधी ने गुजरात विधानसभा चुनाव के दौरान मोदी के लिए 'मौत का सौदागर' शब्द का प्रयोग किया था। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में मणिशंकर अय्यर की 'चायवाला' संबंधी टिप्पणी ने भी बड़ा राजनीतिक विवाद पैदा किया। बाद के वर्षों में राहुल गांधी के 'चौकीदार चोर है' नारे ने राजनीतिक बहस को व्यक्तिगत आरोपों की दिशा में मोड़ा। इन बयानों के पीछे अपने-अपने राजनीतिक संदर्भ और वक्ताओं की दलीलें रही हैं, लेकिन इनका सार्वजनिक प्रभाव इस प्रश्न को सामने लाता है कि क्या किसी नेता की आलोचना उसके कामकाज तक सीमित रखी जा सकती है, अथवा उसे व्यक्तिगत उपहास का विषय बनाना आवश्यक समझा जाने लगा है?

प्रियंका गांधी सहित कांग्रेस के अन्य नेताओं ने भी मोदी और उनकी सरकार के विरुद्ध कई अवसरों पर तीखे राजनीतिक हमले किए हैं। यह ध्यान रखना जरूरी है कि तीखी आलोचना अपने आप में अमर्यादित नहीं होती। सरकार की नीतियों, बेरोजगारी, महंगाई, सामाजिक सद्भाव, लोकतांत्रिक संस्थाओं और प्रशासनिक निर्णयों पर कठोर सवाल उठाना विपक्ष का संवैधानिक दायित्व है। समस्या तब उत्पन्न होती है, जब नीतिगत असहमति को व्यक्तिगत अपमान से जोड़ दिया जाता है और तर्क के स्थान पर कटाक्ष को राजनीतिक प्रभाव का माध्यम बनाया जाने लगता है। किसी नेता के प्रत्येक बयान को एक ही श्रेणी में रखना उचित नहीं, लेकिन बार-बार होने वाले विवादों से राजनीतिक भाषा के स्तर पर विचार करने की आवश्यकता अवश्य पैदा होती है। यहां कांग्रेस के सामने एक बड़ी चुनौती है। विपक्ष के रूप में उसकी सार्थकता इस बात से तय होगी कि वह जनता के जीवन से जुड़े प्रश्नों पर कितना प्रभावी विमर्श खड़ा करती है। किसानों की समस्याएं, युवाओं के रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक असमानता और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों पर ठोस विकल्प प्रस्तुत करना उसकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। यदि सार्वजनिक चर्चा बार-बार प्रधानमंत्री पर व्यक्तिगत टिप्पणियों तक सिमट जाती है, तो नीतिगत बहस पीछे छूटने का खतरा रहता है। इससे विपक्ष की आलोचना का वास्तविक आधार भी कमजोर पड़ सकता है। राजनीतिक विमर्श में मुद्दों की जगह व्यक्तियों को केंद्र में रख देने से लोकतंत्र को अपेक्षित लाभ नहीं मिलता।

दूसरी ओर नरेंद्र मोदी का व्यक्तित्व और उनकी वैश्विक सक्रियता भारतीय राजनीति के महत्वपूर्ण पहलू हैं। प्रधानमंत्री के रूप में उनकी विदेश यात्राएं, विभिन्न देशों के नेतृत्व के साथ संवाद, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की भागीदारी और आर्थिक एवं रणनीतिक साझेदारियों को आगे बढ़ाने के प्रयास देश की वैश्विक भूमिका से जुड़े हैं। उनके समर्थक इन गतिविधियों को भारत की प्रतिष्ठा और प्रभाव में वृद्धि के रूप में देखते हैं। साथ ही, किसी भी प्रधानमंत्री के कार्यकाल का निष्पक्ष आकलन केवल अंतरराष्ट्रीय छवि से नहीं, बल्कि घरेलू नीतियों, आर्थिक परिणामों, सामाजिक समावेशन और शासन के रिकॉर्ड से भी किया जाना चाहिए। लोकतंत्र की सुंदरता इसी में है कि नेतृत्व की उपलब्धियों का सम्मान हो और उसके निर्णयों की आलोचनात्मक समीक्षा भी संभव बनी रहे। यह भी विचारणीय है कि किसी नेता के विरुद्ध जितनी अधिक व्यक्तिगत और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल होता है, उतना ही उसके समर्थकों में प्रतिक्रिया की भावना पैदा हो सकती है। नरेंद्र मोदी के संदर्भ में कांग्रेस की आलोचना का राजनीतिक असर हमेशा एक जैसा रहा हो, ऐसा निष्कर्ष निकालना तथ्यों से परे होगा। चुनावी परिणाम अनेक कारणों से प्रभावित होते हैं-नेतृत्व, संगठन, स्थानीय मुद्दे, उम्मीदवार, गठबंधन और मतदाताओं की अपेक्षाएं। फिर भी, यह एक महत्वपूर्ण राजनीतिक जोखिम है कि यदि विपक्ष अपनी आलोचना को प्रमाण और नीतिगत विकल्पों के बजाय व्यक्तिगत टिप्पणियों पर आधारित करता है, तो वह अपनी बात जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने का अवसर खो सकता है। इसके विपरीत भाजपा को भी केवल विरोधियों के विवादास्पद बयानों पर प्रतिक्रिया देने के बजाय अपने कामकाज और नीतियों के आधार पर जनता के सामने जवाबदेह रहना चाहिए।

राजनीति की भाषा समाज के व्यवहार को प्रभावित करती है। जब शीर्ष नेता सार्वजनिक मंचों पर संयम खोते हैं, तब उनके समर्थकों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं के बीच भी कटुता बढ़ने की आशंका रहती है। सोशल मीडिया इस प्रवृत्ति को और तेज कर देता है, जहां किसी बयान का छोटा-सा अंश पूरे विमर्श पर हावी हो सकता है। इसलिए नेताओं को बोलने से पहले शब्दों के सामाजिक प्रभाव और पद की गरिमा पर विचार करना चाहिए। राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी को अपमानित करना और उसके तर्क को पराजित करना दो अलग बातें हैं, लोकतंत्र में दूसरी बात अधिक महत्वपूर्ण है। अंततः कांग्रेस हो या भाजपा, किसी भी दल की वास्तविक राजनीतिक शक्ति उसकी भाषा की आक्रामकता से नहीं, बल्कि उसके विचारों, नीतियों, जनसेवा और जनता के विश्वास से निर्धारित होनी चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी की आलोचना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन आलोचना तथ्यों और तर्कों पर आधारित होनी चाहिए। इसी प्रकार कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे हों या सत्तापक्ष के अन्य नेता सभी से अपेक्षा है कि वे असहमति को अपमान में न बदलें। राजनीति में शब्दों की मर्यादा कोई औपचारिक शिष्टाचार नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा है। सत्ता बदलेगी, नेता बदलेंगे और दलों की स्थितियां बदलेंगी, लेकिन सार्वजनिक जीवन में बोले गए शब्द लंबे समय तक समाज की स्मृति में रहते हैं। इसलिए राजनीति को कटुता की नहीं, संवाद की भाषा चाहिए, क्योंकि लोकतंत्र में विचारों की विजय होनी चाहिए, व्यक्तिगत अपमान की नहीं।

करवाचौथ को लेकर कोटद्वार के बाजार में उमड़ी भीड़, महिलाओं में उत्साह



कोटद्वार बाजार में खरीददारी के लिए बाजार पहुंची महिलाएं

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : करवाचौथ पर्व को लेकर कोटद्वार के बाजार में खूब रौनक देखने को मिली। पर्व की तैयारियों के लिए बाजारों में महिलाओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही दुकानों पर खरीदारी का सिलसिला शुरू हो गया, जो देर शाम तक जारी रहा। बाजारों में महिलाओं की चहल-पहल से त्योहार का माहौल नजर आया। सुहागिन महिलाओं ने करवाचौथ की पूजा और सोलह श्रृंगार के लिए जमकर खरीदारी की। करवाचौथ का पर्व नजदीक आते ही शहर के प्रमुख बाजारों में रौनक बढ़ गई। कपड़ों, चूड़ियों, मेहंदी, सौंदर्य प्रसाधनों, आभूषणों और पूजा सामग्री की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ दिखाई दी। महिलाओं ने अपनी पसंद के अनुसार साड़ी, सूट, लहंगे, चूड़ियां और अन्य श्रृंगार का सामान खरीदा। वहीं, करवा, छलनी, दीपक, पूजन थाली, मिठाई और फल की दुकानों पर भी ग्राहकों की आवाजाही बनी रही। करवा चौथ पर सुहागिन महिलाओं के सोलह श्रृंगार का विशेष महत्व होने के कारण चूड़ियों, बिंदी, मेहंदी, सिंदूर और सौंदर्य प्रसाधनों की दुकानों पर महिलाओं की भीड़ देखने को मिली।

पूजा सामग्री की दुकानों पर भी रही चहल-पहल

करवाचौथ की पूजा के लिए आवश्यक सामग्री की खरीदारी को लेकर भी महिलाओं में उत्साह दिखाई दिया। करवा, छलनी, पूजा की थाली, दीपक, मिठाई और फल खरीदने के लिए ग्राहक दुकानों पर पहुंचे। महिलाओं ने पूजा से संबंधित आवश्यक सामान जुटाया, ताकि शाम को विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर चंद्रमा के दर्शन के बाद व्रत का पारण किया जा सके।

व्यापारियों को कारोबार बढ़ने की उम्मीद

त्योहारी सीजन में बाजारों में बढ़ी चहल-पहल से व्यापारियों के चेहरे भी खिले नजर आए। कपड़े, श्रृंगार सामग्री, मिठाई, फल और पूजा सामग्री बेचने वाले दुकानदारों को करवाचौथ के अवसर पर अच्छे कारोबार की उम्मीद रही। पर्व के चलते बाजारों में ग्राहकों की आवाजाही बढ़ने से दुकानदारों को बिक्री में तेजी आने की आशा है।

निःशुल्क कुक्कुट इकाइयां की वितरित

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः विकासखंड दुगड्डा में एससीपी बैकयार्ड कुक्कुट पालन योजना के तहत 42 लाभार्थियों को निःशुल्क कुक्कुट इकाइयां वितरित की गईं। जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण पशुपालकों को स्वरोजगार से जोड़कर उनकी आय बढ़ाना है। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. विशाल शर्मा ने कहा कि बैकयार्ड कुक्कुट पालन से ग्रामीण परिवारों को अतिरिक्त आय का अवसर मिलेगा। इससे स्वरोजगार को बढ़ावा मिलने के साथ पशुपालकों की आजीविका भी मजबूत होगी। योजना के तहत कुक्कुट इकाइयां विभिन्न ग्राम प्रधानों को वितरित की गईं। इस दौरान वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. दीपेश शर्मा, पशु चिकित्सा फार्मेसी अधिकारी हेमंत बड़थ्वाल, पशुधन प्रसार अधिकारी स्मिता भंडारी और पशुधन सहायक नरेश कुमार मौजूद रहे।

जंगली जानवरों के बढ़ते आतंक पर उक्रांद ने जताया रोष

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : ग्राम ईड़ा श्रीकोटखाल में गुलदार के हमले की घटना के बाद उत्तराखंड क्रांति दल (यूकेडी) के नेता बलबंत गुसाईं व संदीप रौतेला गांव पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और क्षेत्र में गुलदार के बढ़ते खतरे को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि आमजन की सुरक्षा सर्वोपरि है और ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार तथा संबंधित विभागों की जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड क्रांति दल पहाड़ के लोगों के अधिकारों, सुरक्षा और गांवों के अस्तित्व की लड़ाई में उनके साथ खड़ा रहेगा। ग्रामीणों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना आवश्यक है, ताकि वे अपने गांवों में रहकर जीवनयापन कर सकें और पलायन की मजबूरी से बच सकें।

बलबंत गुसाईं ने ग्रामीणों से संवाद करते हुए कहा कि अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए आवश्यक सावधानियां बरतें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि उत्तराखंड क्रांति दल इस कठिन परिस्थिति में ग्रामीणों के साथ खड़ा है और उनकी समस्याओं को लेकर आवाज उठाता रहेगा। गुलदार के हमलों और पहाड़ में बढ़ती असुरक्षा को लेकर सरकार पर निशाना साधते हुए बलबंत गुसाईं ने व्यंग्यात्मक टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि ह्लसरकार ने मानो हर गांव के लिए एक गुलदार की व्यवस्था कर रखी है। यह व्यवस्था लोगों को अपने ही गांवों और पहाड़ों से पलायन करने पर मजबूर करने की है।ह्व उन्होंने कहा कि पहाड़ के ग्रामीण पहले से ही सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार जैसी बुनियादी सुविधाओं के अभाव से जूझ रहे हैं। ऐसे में गुलदार के हमलों का बढ़ता खतरा उनकी मुश्किलों को और बढ़ा रहा है। ग्रामीणों के लिए अपने घरों, खेतों और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षित आवाजाही करना भी चुनौती बनता जा रहा है। यूकेडी नेता संदीप रौतेला ने वन विभाग की कार्यप्रणाली और संसाधनों को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर काम करने वाले वन विभाग के कर्मचारियों की संख्या पर्याप्त नहीं है और उनके पास जरूरी संसाधनों का भी अभाव है। ऐसी स्थिति में वन्यजीवों से ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। उन्होंने कहा कि गुलदार के खतरे से निपटने के लिए वन विभाग को प्रभावी कदम उठाने चाहिए, ताकि ग्रामीण भयमुक्त होकर अपने दैनिक कार्य कर सकें। साथ ही प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाने की आवश्यकता है। बलबंत गुसाईं ने कहा कि पहाड़ के लोगों को उनके ही गांवों में असुरक्षित छोड़ना और ऐसी परिस्थितियां पैदा होने देना, जिनसे उन्हें पलायन के लिए मजबूर होना पड़े, किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए ठोस कार्रवाई करने की मांग की।

बांसुरी स्वराज बोली विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटे कार्यकर्ता

श्रीनगर गढ़वाल : मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश सह-प्रभारी बांसुरी स्वराज श्रीनगर पहुंचीं। जहां कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने उनका भव्य स्वागत किया। भाजपा पौड़ी जिले की जिला स्तरीय संगठनात्मक बैठक में प्रदेश सह-प्रभारी बांसुरी स्वराज ने पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों में आगामी 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुट जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा के लिए सत्ता जनकल्याण का माध्यम है।बैठक के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं से संवाद में बांसुरी स्वराज ने सवाल-जवाब भी किए। उन्होंने कहा कि पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता सरकार की उपलब्धियों को आमजन तक पहुंचाए। उन्होंने जनता के बीच सक्रिय रहते हुए संगठन की मजबूती और विस्तार देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सत्ता भाजपा के लिए जनकल्याण का माध्यम है न कि किसी लोभ-लालच का। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए अभी से कमर कसने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की जनता ने उनकी माता स्व. सुषमा स्वराज को यहां से सांसद बनाकर संसद भेजा था। वह उत्तराखंड के प्रति अपने जुड़ाव और दायित्व को निभाना चाहती हैं। उन्होंने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की कथित अभद्र भाषा पर भी अफसोस जताया। प्रदेश महामंत्री दीप्ति रावत ने संगठन की मजबूती पर जोर दिया। जिलाध्यक्ष कमल किशोर रावत ने मुख्य वक्ता और बैठक में शामिल अन्य लोगों का स्वागत किया।

विद्यार्थियों ने लिया नशामुक्त उत्तराखंड का संकल्प



आयोजित कार्यशाला में भाग लेते विद्यार्थी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पब्लिक इंटर कॉलेज सुरखेत में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पौड़ी और राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सहयोग से एंटी ड्रग यूनिट का गठन किया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं को नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी देकर नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने नशामुक्त उत्तराखंड और संस्कारयुक्त उत्तराखंड बनाने का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने, अपने साथियों को भी जागरूक करने और स्वस्थ समाज के निर्माण में योगदान देने का संदेश दिया गया। साथ ही नशामुक्त उत्तराखंड और संस्कारयुक्त उत्तराखंड के संकल्प को साकार करने के लिए सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया गया।

कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला न्यायालय पौड़ी की अधिकार मित्र (पीएलवी) विजयन्ती देवी ने बताया कि उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, नैनीताल के निर्देशों के अनुपालन में जनपद पौड़ी के विभिन्न इंटर कॉलेजों में एंटी ड्रग यूनिट और लीगल एड क्लीनिक का गठन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना, उन्हें उचित मार्गदर्शन देना और स्वस्थ एवं सुरक्षित जीवन जीने के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने बताया कि स्कूलों में डान (ड्रग अवेयरनेस एंड वेलनेस नेविगेशन) पहल के माध्यम से विद्यार्थियों को नशीले पदार्थों से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक नुकसान के बारे में जानकारी दी जा रही है। साथ ही युवाओं को नशे से दूर रहकर अपने भविष्य को बेहतर बनाने के लिए जागरूक किया जा रहा है। विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के गढ़वाल मंडल कार्यक्रम समन्वयक पुष्कर सिंह नेगी ने कहा कि युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से 'नशामुक्त युवा, विकसित भारत' अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य देश के युवाओं को नशीले पदार्थों से दूर रखना, उनमें रचनात्मक गतिविधियों के प्रति रुचि बढ़ाना और उन्हें स्वस्थ, जागरूक एवं संस्कारवान नागरिक बनाना है। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे से बचाने के लिए जागरूकता कार्यक्रमों के साथ ही विभिन्न प्रतियोगिताओं और रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन महत्वपूर्ण है। विद्यालयों में इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों को सकारात्मक दिशा प्रदान करने में सहायक होते हैं।

डॉ. चमोली और शोधार्थी अब्दुल यंग साइंटिस्ट अवार्ड से सम्मानित

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के दो युवा शोधकर्ताओं डॉ. दिव्यांशु चमोली और शोधार्थी अब्दुल वारिश को 21वें उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कांग्रेस (यूएसएसटीसी-2026) में यंग साइंटिस्ट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

डॉ. चमोली को गणित के क्षेत्र में शोधपत्र प्रस्तुति करने, जबकि अब्दुल वारिश को जल से माइक्रोप्लास्टिक हटाने की पर्यावरण अनुकूल विधियों के विकास संबंधी शोध के लिए यह सम्मान मिला। 25 और 26 अक्टूबर को आयोजित सम्मेलन में गणित विभाग के अतिथि शिक्षक डॉ. दिव्यांशु चमोली ने 'विस्कोसिटी एप्रॉक्सिमेशन आधारित पुनरावृत्ति प्रक्रिया से जूलिया समुच्चयों का विश्लेषण' विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया। उन्होंने गणित विषय में प्रो. रमेश चंद्र डिमरी के निर्देशन में पीएचडी पूरी की। उनके पिता बुद्धि बल्लभ चमोली भी विवि में कर्मचारी हैं।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/III/मुरादाबाद द्वारा ई टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदा दाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	233-DRM-MB-26-27 DATE 26.10.2026	234-DRM-MB-26-27 DATE 26.10.2026	235-DRM-MB-26-27 DATE 26.10.2026
कार्य का नाम	Pathway for two-wheeler from station Master office to outermost stop signal at -RAC, NERI, RYS, DUN, MB and LRJ.	Civil Work in C/W Augmentation to Enhance Safety at TSS, SP and SSP Locations along with Improvement of Bonding and Earthing Systems over Moradabad Division.	Provision of 100KL Tank with pipes, pump house with bore in lieu of old steel at AJI in jurisdiction ADEN/SPN.
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	19.11.2026 at 16:00 Hrs	19.11.2026 at 16:00 Hrs	19.11.2026 at 16:00 Hrs
अनुमानित लागत	5,10,85,009.99	1,40,16,961.34	67,05,272.69
धरोहर राशि	10,21,700.00	2,80,300.00	1,34,100.00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	05.11.2026	05.11.2026	05.11.2026
आफर की वैधता	60 Days	60 Days	60 Days
कार्य पूर्ण करने की अवधि	08 Months	08 Months	08 Months

नं. 75-W/2/3/WA/Publication दिनांक 26.10.2026 3731/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में वार्षिक क्रीड़ा समारोह का शुभारंभ

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार, डॉ. पी.डी.बी.एच. राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोटद्वार (गढ़वाल) में दो दिवसीय वार्षिक क्रीड़ा समारोह 2026झ्र27 का शुभारंभ 27 अक्टूबर 2026 को किया गया। समारोह का आयोजन महाविद्यालय के क्रीड़ा विभाग प्रभारी डॉक्टर हीरा सिंह बिष्ट द्वारा किया गया। प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया तथा खेल भावना, अनुशासन और उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिचय दिया। समारोह के अंतर्गत विभिन्न एथलेटिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें 800 मीटर दौड़, 200 मीटर दौड़, गोला प्रक्षेपण तथा लंबी कूद प्रमुख रहीं। इन प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का प्रदर्शन किया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) डी.एस. नेगी ने विद्यार्थियों को खेलों में बढ़-चढ़कर प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के साथ-साथ उनमें अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और टीम भावना का विकास करते हैं।प्रथम दिवस की प्रतियोगिताओं में 800 मीटर दौड़ (छात्रा वर्ग) में मेघा प्रथम, ललिता द्वितीय तथा सारिका तृतीय स्थान पर रहीं। छात्र वर्ग में प्रभु महतो प्रथम, रोशन सैनी द्वितीय तथा विशाल सिंह रावत तृतीय रहे। गोला प्रक्षेपण (छात्रा वर्ग) में सोनाली, हर्षिता और अदिति ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। लंबी कूद में कनिका प्रथम, हर्षिता द्वितीय तथा शिखा नेगी तृतीय स्थान पर रहीं।क्रीड़ा प्रभारी एवं समारोह के संयोजक डॉ. हीरा सिंह के मार्गदर्शन में प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। समारोह के दूसरे दिन, 28 अक्टूबर 2026 को भी विभिन्न खेल प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएँगी। समापन समारोह में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाएगा।



खेल प्रतियोगिता के दौरान लंबी कूद में प्रतिभाग करते हुए छात्रा।

महाविद्यालय परिवार ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।



नवंबर में भैरवगढ़ी मंदिर परिसर के पौधों की होगी निगरानी



आयोजित बैठक में भाग लेते सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : श्री गुरुगोरखनाथ पर्यावरणीय संरक्षण एवं संवर्धन समिति की ओर से आगामी कार्यक्रमों को लेकर बैठक आयोजित की गई। इस दौरान नवंबर माह में भैरवगढ़ी मंदिर परिसर में पौधा रोपण व उनकी देखभाल का अभियान चलाने का निर्णय लिया गया।

बैठक अध्यक्ष अशोक नेगी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक का संचालन सतीश चंद्र शर्मा किया। इस दौरान समिति के दो सदस्यों आरपी पंत और दिनेश चंद्र घिल्डियाल का जन्मदिन भी मनाया गया। वहीं, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष पूरण सिंह रावत ने समिति की सदस्यता ग्रहण की। समिति के सदस्यों ने उनका स्वागत करते हुए पर्यावरण संरक्षण के कार्यों में सहयोग की अपेक्षा की। बैठक में पर्यावरण संरक्षण, पौधों के रख-रखाव और वनाग्नि से पौधों को सुरक्षित रखने के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में श्री भैरवगढ़ी मंदिर परिसर में पौधों की साफ-सफाई के लिए नवंबर 2026 में एक शिविर आयोजित करने का निर्णय भी लिया गया। शिविर का उद्देश्य मंदिर परिसर में लगाए गए पौधों के आसपास सफाई बनाए रखना और उन्हें वनाग्नि से बचाने के लिए आवश्यक प्रयास करना है। समिति सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक भागीदारी को महत्वपूर्ण बताया। इस दौरान पौधों की उचित देखभाल और संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि उन्हें बेहतर तरीके से सुरक्षित रखा जा सके। बैठक में बहादुर सिंह मेहरा, उमाकांत बडोला, सच्चिदानंद पोखरियाल, जगदीश चंद्र जोशी और प्रकाश चंद्र हेमदान सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सूखे पेड़ से बना दुर्घटना का खतरा

श्रीनगर गढ़वाल : बजीरों का बाग मार्ग पर जीएमओयू पेट्रोल पंप के समीप खड़ा सूखा शीशम का पेड़ लंबे समय से खतरा बना हुआ है। कुछ दिन पहले इसकी मोटी डाल टूटकर बिजली लाइन पर गिर गई थी, जिससे आठ से दस घरों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई थी।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे ड्राईविंग लाईसेंस नं0-UK-15 20240002398 में मेरा नाम ABDUL SAMAR अंकित है, जो कि गलत है, जबकि मेरा सही व वास्तविक नाम ABDUL SAMER S/o Mohd.YAMEEN है, जो कि मेरे आधार कार्ड में अंकित है। मेरे ड्राईविंग लाईसेंस नं0- UK-15 20240002398 में मेरा सही व वास्तविक नाम ABDUL SAMER S/o Mohd.YAMEEN दर्ज किया जाय।

अब्दुल समर पुत्र मो0 यामीन निवासी गोविन्दनगर, नियर नगीना नर्सिंग होम, वार्ड नं0-15, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
(0618/21)

आयुष कुकरेती युवा वैज्ञानिक पुरस्कार से सम्मानित

पर्वतीय जल स्रोतों के पुनर्जीवन और संरक्षण के लिए विकसित किया 'एच-स्पायर' मॉडल



जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : दुगड्डा ब्लॉक के जौरासी गांव निवासी युवा शोद्यार्थी आयुष कुकरेती को उत्कृष्ट वैज्ञानिक शोध के लिए युवा वैज्ञानिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवम् प्रौद्योगिकी सम्मेलन-2026 में उन्हें यह पुरस्कार दिया गया। एक ग्रामीण पृष्ठभूमि और सरकारी स्कूल से निकलकर राज्य स्तर के प्रतिष्ठित वैज्ञानिक मंच पर यह उपलब्धि हासिल करने से क्षेत्र में खुशी की लहर है।उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवम् प्रौद्योगिकी सम्मेलन-2026 के समापन सत्र में प्रतिष्ठित 'यंग साइंटिस्ट अवॉर्ड' (युवा वैज्ञानिक पुरस्कार) से युवा शोद्यार्थी आयुष कुकरेती को सम्मानित किया गया है। ग्राम पंचायत जौरासी प्रधान चण्डी प्रसाद कुकरेती ने बताया कि आयुष ने गांव और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। कहा कि आयुष कुकरेती पुत्र सुरेन्द्र प्रसाद कुकरेती ने कक्षा 10वीं तक की प्रारम्भिक शिक्षा स्थानीय सरकारी विद्यालय से पूरी की। इसके उपरान्त उन्होंने हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल केन्द्रीय विश्वविद्यालय, श्रीनगर से स्नातक एवम् परास्नातक की उपाधि प्राप्त की। आयुष को यह सम्मान उनके अभिनव शोध कार्य 'एच-स्पायर' के लिए दिया गया है। उनका यह शोध पर्वतीय क्षेत्रों में जल संसाधनों, स्प्रिंगशेड प्रबन्धन तथा दीर्घकालिक जल सुरक्षा को सुदृढ़ करने पर केन्द्रित है। शोध के तहत पर्वतीय क्षेत्रों के सूखते प्राकृतिक जल स्रोतों (धारे-मंगरे) के वैज्ञानिक पुनर्जीवन के लिए जीआईएस आधारित एक विशेष मॉडल तैयार किया गया है। युवा शोद्यार्थी आयुष कुकरेती ने बताया कि भविष्य में इस वैज्ञानिक मॉडल को एक सहज ह्यूजर-फ्रेन्डलीह्न मोबाइल ऐप्लिकेशन के रूप में विकसित करने की योजना है। इस तकनीक की मदद से कोई भी आम नागरिक या ग्रामीण अपने क्षेत्र के जल स्रोत के पुनर्भरण हेतु उपयुक्त उपचार विधियों तथा सटीक स्थलों की पहचान कर सकेगा। इससे सरकारी नीतियों एवम् पुनर्जीवन योजनाओं को धरातल पर सटीक रूप से लागू करने में सहायता मिलेगी। आयुष कुकरेती ने कहा कि हिमालयी क्षेत्रों में गहराते जल संकट के समाधान के लिए पारम्परिक ज्ञान के साथ आधुनिक भू-स्थानिक तकनीकों का समन्वय समय की मांग है। उन्होंने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने शोध मार्गदर्शकों, राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान रुड़की के वैज्ञानिक 'एफ' डॉ. सोबन सिंह रावत, प्रो. डी.एस. मलिक एवम् साथी इं. सुमित सैनी को देते हुए उनके निरन्तर मार्गदर्शन और सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। आयुष कुकरेती को युवा वैज्ञानिक पुरस्कार मिलने पर चण्डी प्रसाद कुकरेती, राजेन्द्र प्रसाद कुकरेती, जगदीष प्रसाद कुकरेती, डॉ. श्रीकांत कुकरेती, शशिकांत कुकरेती, सच्चिदानन्द कुकरेती, करुणेश कुकरेती, राकेश कुकरेती, मनोहरी प्रसाद बलूनी, राजेन्द्र प्रसाद केष्टवाल, सेवा निवृत्त प्रधानाचार्य मनवरलाल भारती, सुरेन्द्र प्रसाद कुकरेती, टीकाराम डबराल ने बधाई दी है।

नौकरी से हटाए जाने के विरोध में कर्मचारी ने शुरू किया धरना

श्रीनगर गढ़वाल : मेडिकल कॉलेज में 12 वर्ष की संविदा सेवा के बाद नौकरी से हटाए जाने के विरोध में मनमोहन बर्त्वाल ने धरना शुरू कर दिया। उन्होंने सेवा समाप्ति की कार्रवाई को नियम विरुद्ध बताते हुए शासन से न्याय की गुहार लगाई है। मांग पूरी नही होने पर आमरण अनशन शुरू करने की चेतावनी दी।

मनमोहन बर्त्वाल ने सचिव चिकित्सा शिक्षा को इस संबंध में पत्र भेजा। उन्होंने आरोप लगाया कि छह अप्रैल 2022 को उन्हें अनुबंध की सेवा शर्तों के विपरीत मेडिकल कॉलेज अल्मोड़ा संबद्ध कर दिया गया था। इसके बाद उन्होंने कई बार शासन और मेडिकल कॉलेज प्रशासन से संबद्धता समाप्त कर मूल संस्थान में सेवा बहाल करने की मांग की, लेकिन उनकी शिकायतों पर कार्रवाई नही हुई। आरोप लगाया कि 30 सितंबर को बिना कारण बताओ नोटिस और सुनवाई का अवसर दिए सीधे सेवा समाप्ति का आदेश जारी कर दिया गया। बर्त्वाल ने इसे सेवा शर्तों का उल्लंघन बताया।

निरस्त किया निचली अदालत का आदेश

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश रजनी शुक्ला की अदालत ने शिकायतकर्ता मनुदेव मनोज नौटियाल की आपराधिक निगरानी स्वीकार करते हुए निचली अदालत के आदेश को निरस्त कर दिया है। अदालत ने मामले को दोबारा सुनवाई के लिए निचली अदालत में भेजते हुए नियमानुसार निर्णय लेने के निर्देश दिए हैं।जानकारी के अनुसार, धारगांव, पट्टी सीला-5, देवीखाल निवासी मनुदेव मनोज नौटियाल ने लैंसडौन न्यायालय के तीन दिसंबर 2025 को पारित आदेश को चुनौती देते हुए आपराधिक निगरानी याचिका दायर की थी। शिकायतकर्ता ने पुलिस से मामले की जांच कराने के संबंध में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया था, जिसे अदालत ने अनुपस्थिति के आधार पर खारिज कर दिया था। शिकायतकर्ता की ओर से दलील दी गई कि खराब स्वास्थ्य के कारण वह सुनवाई के दौरान उपस्थित नहीं हो सके थे। इस संबंध में उन्होंने चिकित्सा प्रमाणपत्र भी अदालत में प्रस्तुत किया। मामले से संबंधित दस्तावेजों का अवलोकन करने के बाद अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश रजनी शुक्ला की अदालत ने शिकायतकर्ता को सुनवाई का एक और अवसर दिया जाना उचित माना। इसके बाद अदालत ने निचली अदालत के पूर्व आदेश को निरस्त करते हुए प्रकरण को पुनः सुनवाई के लिए वापस भेजने के निर्देश दिए। अदालत ने निचली अदालत को नियमानुसार शिकायतकर्ता के प्रार्थना पत्र पर सुनवाई कर निर्णय लेने को कहा है। साथ ही शिकायतकर्ता को आगामी पांच नवंबर को अदालत में उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं।

व्यापारियों ने शुरू की धनतेरस की तैयारियां



श्रीनगर गढ़वाल : धनतेरस को लेकर शहर के बाजार अभी से सजने लगे हैं। गोला बाजार, वीर चंद्र सिंह गढ़वाली मार्ग और गणेश बाजार में दुकानदारों ने तैयारियां तेज कर दी हैं। बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक्स और मोबाइल की दुकानों में ग्राहकों को कई ऑफर दिए जा रहे हैं। बर्तन व्यापारी सुजीत अग्रवाल, दीपक, सुनील गुनसोला और रितिक पंवार ने बताया कि इस बार कांसे, तांबे, पीतल और स्टील के बर्तनों की कई नई वैरायटी उपलब्ध हैं। धनतेरस पर बर्तन खरीदना शुभ माना जाता है। ऐसे में कारोबार अच्छा रहने की उम्मीद है। इलेक्ट्रॉनिक्स कारोबारी आशीष सडाना और नमन ने बताया कि फ्रिज, एलईडी, एसी, ओवन और वॉशिंग मशीन पर कंपनियों की ओर से आकर्षक ऑफर दिए जा रहे हैं। वहीं कंप्यूटर विक्रेता सत्यम अग्रवाल, मोबाइल विक्रेता गणेश जोशी, धर्म सिंह ने बताया कि विभिन्न कंपनियां मोबाइल और अन्य सामान पर विशेष स्कीम दे रही हैं। उम्मीद है कि धनतेरस पर कारोबार को गति मिलेगी। (एजेंसी)

युवा महोत्सव में लोक संस्कृति के रंगों से सजा मंच

उत्तरकाशी। युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग की ओर से भटवाड़ी ब्लॉक परिसर में विकासखंड स्तरीय युवा महोत्सव आयोजित किया गया। वहीं, रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। महोत्सव का शुभारंभ ब्लॉक प्रमुख ममता पंवार ने किया। उन्होंने युवाओं को ऐसे आयोजनों में बढ़-चढ़कर प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित किया। कहा कि युवा महोत्सव स्थानीय लोक संस्कृति और पारंपरिक कलाओं को बढ़ावा देने के साथ ही युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने का मंच प्रदान करते हैं। प्रतियोगिताओं के लोक नृत्य वर्ग में भागीरथी ग्रुप ने प्रथम, कंडार देवता ग्रुप ने द्वितीय और महिला मंगल दल ओंगी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

प्रमोद कुमार चौधरी बनें गढ़वाल मंडलीय अध्यक्ष

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भारतीय दलित साहित्य अकादमी उत्तराखंड की कार्यकारिणी के पुनर्गठन में कोटद्वार निवासी प्रमोद कुमार चौधरी को गढ़वाल मंडलीय अध्यक्ष और एडवोकेट जीवन कुमार 'जौनी' को कोटद्वार का जिलाध्यक्ष चुना गया है। दोनों को देहरादून में आयोजित कार्यक्रम के दौरान चयन पत्र प्रदान किए गए।

इस अवसर पर अनुसूचित जाति-जनजाति शिक्षक एसोसिएशन की ओर से भी प्रमोद कुमार चौधरी, एडवोकेट जीवन कुमार 'जौनी' और प्रो. दिवाकर बुद्धा को सम्मानित किया गया। भारतीय दलित साहित्य अकादमी उत्तराखंड के 42वें स्थापना दिवस के अवसर पर देहरादून स्थित प्रेस क्लब में सभा का आयोजन किया गया। सभा की अध्यक्षता अकादमी के प्रदेश अध्यक्ष प्रो. जयपाल सिंह ने की, जबकि संचालन महासचिव सीपी सिंह ने किया। कार्यक्रम के दौरान अकादमी की उत्तराखंड कार्यकारिणी का पुनर्गठन किया गया। इसमें कोटद्वार निवासी प्रमोद कुमार चौधरी को गढ़वाल मंडलीय अध्यक्ष तथा एडवोकेट जीवन कुमार 'जौनी' को कोटद्वार का जिलाध्यक्ष चुना गया।



कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पद्मश्री डॉ. बीकेएस संजय और अकादमी के प्रदेश अध्यक्ष प्रो. जयपाल सिंह ने दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों को चयन पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि डॉ. केएस रंधावा, पूर्व न्यायाधीश चिरंजी लाल, डॉ. आशा टम्टा, अकादमी के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. सुरेंद्र लाल आय, प्रो. दिवाकर बुद्धा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। वहीं, देहरादून स्थित ऑफिसर्स ट्रांजिट हॉस्टल में अनुसूचित जाति-जनजाति शिक्षक एसोसिएशन, गढ़वाल मंडल की ओर से आयोजित कार्यक्रम में प्रमोद कुमार चौधरी, एडवोकेट जीवन कुमार 'जौनी' और प्रोफेसर दिवाकर बुद्धा को सम्मानित किया गया। शिक्षक एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश राठी और मंडल अध्यक्ष अनूप पाठक ने उन्हें सम्मान प्रदान किया।

एक नजर

कलोगी में इंटर कॉलेज में शिक्षकों की कमी से पढ़ाई प्रभावित

नौगांव (उत्तरकाशी)। पीएमश्री अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज कलोगी में इंटर मीडिएट स्तर के महत्वपूर्ण विषयों के शिक्षकों के पद रिक्त होने से छात्र-छात्राओं की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। शिक्षकों की कमी के चलते निर्धारित पाठ्यक्रम पूरा करने पर सवाल उठ रहे हैं जिसका असर आगामी बोर्ड परीक्षा परिणाम पर पड़ सकता है।अध्यापकों की कमी ने अभिभावकों की भी चिंता बढ़ा दी है।शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और छात्रों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वर्ष 2025 में राइंका कलोगी को पीएमश्री अटल उत्कृष्ट विद्यालय का दर्जा दिया गया था। वर्तमान में विद्यालय में 255 छात्र छात्राएं अध्ययनरत हैं। अप्रैल माह में इस विद्यालय से अंग्रेजी, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और अर्थशास्त्र के प्रवक्ता स्थानांतरण हो कर दूसरे विद्यालयों में चले गए थे।

स्थानांतरित हुए शिक्षकों की जगह पर अभी तक अध्यापक नहीं आ पाए हैं जिससे छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। अभिभावक अध्यापक एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष रमेश इंदवाण ने शिक्षकों की व्यवस्था के लिए जिलाधिकारी को पत्र लिखा है। उन्होंने बताया कि शिक्षकों की कमी से बोर्ड परीक्षार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

छह वर्ष बाद भी बंद पड़ा है रैथल का ग्रोथ सेंटर

उत्तरकाशी। दयारा बुग्याल के मुख्य पड़ाव रैथल गांव में पर्यटन की गतिविधियों व स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए पहाड़ी शैली में दो मंजिला ग्रोथ सेंटर तैयार किया गया था लेकिन पर्यटन विभाग की लापरवाही के कारण छह वर्ष बाद अब यह बदहाल स्थिति में पड़ा है। इसके भवन पर लगी टाइल्स उखड़ने लगी है। ग्रामीणों का कहना है कि इसका निर्माण लोगों को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए किया गया था लेकिन शासन-प्रशासन की उदासीनता के लाखों की संपत्ति बरबाद हो रही है।स्थानीय निवासी पंकज कुशवाह ने बताया कि वर्ष 2005 में पर्यटन ग्राम में प्रशासन की ओर से एक सामुदायिक केंद्र का निर्माण किया गया। उसके बाद वर्ष 2019-20 में तत्कालीन मुख्य सचिव के रैथल पहुंचने पर ग्रामीणों ने केंद्र के उच्चीकरण की मांग की। उसके बाद पर्यटन विभाग की ओर से वर्ष 2020 में करीब साठ लाख की लागत से वहां पर दो मंजिला पहाड़ी शैली में ग्रोथ सेंटर का निर्माण किया गया।योजना के अनुसार उसमें साहसिक पर्यटन गतिविधियों के लिए सिनेमा हॉल सहित कॉफी क्लब, ट्रेकिंग व पर्वतारोहण से जुड़े सामान व स्थानीय उत्पादों की बिक्री के लिए दुकानें व अन्य सुविधाएं दी जानी थी। विभाग ने इसके निर्माण के बाद इसके संचालन का जिम्मा दयारा पर्यटन उत्सव समिति को सौंपा लेकिन पर्यटन विभाग व समिति के बीच कुछ बिंदुओं पर सहमति न बनने के कारण इसका संचालन शुरू नहीं हो सका।

उत्तरकाशी में मिलावटखोरों पर कसेगा शिकंजा

उत्तरकाशी। शादी और त्योहारी सीजन में लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वालों पर प्रशासन सख्ती करेगा। मिठाई की दुकानों, होटल और रेस्टोरेंट में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और साफ-सफाई की नियमित जांच होगी। मिलावट या दूषित खाद्य सामग्री मिलने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।मंगलवार को जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने जिला संयुक्त प्रकोप प्रतिक्रिया टीम के गठन एवं क्रियान्वयन को लेकर आयोजित बैठक में ये निर्देश दिए। जांच में लापरवाही न बरती जाए और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत कार्रवाई की जाए। डीएम ने स्वास्थ्य विभाग समेत सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से काम करने के निर्देश दिए।किसी भी बीमारी का प्रकोप सामने आने पर तत्काल कदम उठाकर संक्रमण को फैलने से रोकने के निर्देश भी दिए। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. श्याम विजय ने की कार्यप्रणाली और विभिन्न विभागों की जिम्मेदारियों की जानकारी दी।

सांस्कृतिक आदान-प्रदान से मजबूत होगा राष्ट्रीय एकता का भाव : प्रो. पंवार

जयन्त प्रतिनिधि। श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' अभियान के अंतर्गत युवा संगम (चरण-7) के तहत पश्चिम बंगाल से आए युवा प्रतिनिधिमंडल का भव्य स्वागत एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। चौरास परिसर स्थित एकेडमिक एक्टिविटी सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में दोनों राज्यों की सांस्कृतिक विरासत, शैक्षणिक परंपराओं और आपसी सहयोग को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के गायन के साथ हुआ। इसके बाद पश्चिम बंगाल से आए प्रतिनिधियों का तिलक लगाकर और पुष्पमालाओं से पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। इस अवसर पर श्रीनगर नगर निगम की मेयर आरती भंडारी मुख्य अतिथि रहीं, जबकि अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति प्रो. नारायण सिंह पंवार ने की। युवा संगम के राज्य नोडल अधिकारी प्रो. महावीर सिंह नेगी, डीन रिक्रूटमेंट एंड प्रमोशन प्रो. मोहन सिंह पंवार, कुलसचिव प्रो. वाई.पी. रैवानी सहित दोनों राज्यों के संकाय सदस्य एवं आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित रहे। अतिथियों ने प्रतिनिधियों को स्मृति चिह्न और टी-शर्ट, डायरी सहित आवश्यक सामग्री से युक्त किट भेंट की। कार्यवाहक



कुलपति प्रो. नारायण सिंह पंवार ने कहा कि शिक्षा और संस्कृति का समन्वय युवाओं में राष्ट्रीय चेतना तथा व्यापक दृष्टिकोण विकसित करता है। युवा संगम के माध्यम से विभिन्न राज्यों के युवा एक-दूसरे की ज्ञान-परंपराओं, जीवनशैली और सांस्कृतिक विरासत को समझ सकेंगे। उन्होंने पश्चिम बंगाल से आए प्रतिनिधियों का विश्वविद्यालय परिसर में स्वागत करते हुए इसे दोनों राज्यों के बीच सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने की महत्वपूर्ण पहल बताया। युवा संगम के राज्य नोडल अधिकारी प्रो. महावीर सिंह नेगी ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व उत्तराखंड के प्रतिनिधिमंडल ने पश्चिम बंगाल का भ्रमण कर वहां की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक विरासत को जाना था। इसी क्रम में अब पश्चिम बंगाल के प्रतिनिधियों के लिए उत्तराखंड में विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक, तकनीकी और पर्यटन स्थलों के भ्रमण की योजना तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि युवा संगम केवल यात्रा नहीं, बल्कि विचारों, अनुभवों और परंपराओं के आदान-प्रदान का प्रभावी मंच है। कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल से आए संकाय सदस्य डॉ. लक्ष्मण सिंह बिष्ट, डॉ. सुवर्णा त्रिवेदी, डॉ. अंबुपति मणि कल्याणी, डॉ. एकता भारती, डॉ. सुधीर कुमार शामिल रहे। उत्तराखंड युवा संगम आयोजन टीम में सहायक नोडल अधिकारी डॉ. कौशल कुमार, समन्वयक डॉ. नरेश कुमार, डॉ. रुक्मणी, डॉ. अनु राही, डॉ. नरेंद्र कुमार, डॉ. हिमशिखा गोसाई, डॉ. विजयकांत पुरोहित, डॉ. आशुतोष, डॉ. सर्वेश उनियाल उपस्थित रहे।

'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना को साकार कर रहा युवा संगम

मुख्य अतिथि मेयर आरती भंडारी ने कहा कि युवा संगम देश की विविध संस्कृतियों को एक सूत्र में पिरोने का महत्वपूर्ण माध्यम है। पश्चिम बंगाल से आए युवा प्रतिनिधियों को देवभूमि उत्तराखंड की समृद्ध परंपराओं, लोक संस्कृति और आतिथ्य को करीब से जानने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन अंतरराज्यीय भाईचारे को मजबूत करने के साथ 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना को धरातल पर साकार करते हैं। वहीं कुलसचिव प्रो. वाई.पी. रैवानी ने कहा कि युवा संगम देश की विविधता में एकता की नींव को मजबूत करने का महत्वपूर्ण प्रयास है। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से प्रतिनिधियों की सुविधा, सुरक्षा और उनके ज्ञानवर्धक अनुभव के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं।

कार खाई में गिरने से पेड़ पर अटकी कार, पति-पत्नी सुरक्षित



चंबा (टिहरी)। जिला मुख्यालय नई टिहरी से ऋषिकेश जा रही एक कार भोनाबागी से आगे अनियंत्रित होकर खाई में गिर कर एक पेड़ पर अटक गई जिससे कार में सवार पति-पत्नी घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को खाई से निकालकर जिला अस्पताल बौराड़ी पहुंचाया। कार दुर्घटना का कारण ब्रेक फेल होना बताया गया है। पुलिस ने बताया कि कार सवार मधु पैन्यूली (55) और उनके पति हरिश्चंद्र पैन्यूली निवासी विनोद विहार कॉलोनी, खत्री रोड श्यामपुर ऋषिकेश जिला देहरादून नई टिहरी से ऋषिकेश की तरफ जा रहे थे। इस दौरान उनकी कार भोनाबागी से आगे अनियंत्रित होकर बैरिकेटिंग से टकराने के बाद करीब 50 मीटर नीचे गिरकर एक पेड़ पर अटक गई जिससे पति-पत्नी की जान बच गए। घटना की सूचना मिलने के बाद प्रभारी निरीक्षक विपिन बहुगुणा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घायल दंपती को खाई से निकालकर 108 सेवा से जिला अस्पताल बौराड़ी में भर्ती कराया गया है।

जिले के सभी अस्पतालों में चलाया स्वच्छता अभियान

गोपेश्वर। स्वास्थ्य विभाग की ओर से मंगलवार को चमोली जिले के सभी 159 चिकित्सा इकाइयों में स्वच्छता अभियान चलाया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजीव सिंह पाल के निर्देश पर चिकित्सा इकाइयों में साफ-सफाई बनाए रखने के लिए यह अभियान चलाया गया।

सीएमओ डॉ. पॉल ने बताया कि जिला अस्पताल गोपेश्वर, उप जिला अस्पताल कर्णप्रयाग, महिला बेस अस्पताल सिमली, सभी सीएचसी, पीएचसी व 107 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों सहित कुल 159 चिकित्सा इकाइयों में साफ-सफाई की गई। दवाओं व अन्य जरूरी सामग्री को व्यवस्थित रखने, अनुपयोगी सामग्री को हटाने और चिकित्सा संस्थानों के परिसर को साफ-सुथरा रखने पर विशेष ध्यान दिया गया। संक्रमण की रोकथाम, हाथों की स्वच्छता व जैव चिकित्सा अपशिष्ट के निर्धारित मानकों के अनुरूप पृथक्करण व निस्तारण किया गया।

सात करोड़ खर्च के बाद भी आराकोट-चीवां सड़क बदहाल

पुरोला। आराकोट-बंगाण क्षेत्र की महत्वपूर्ण आराकोटझचीवां मोटर मार्ग की बदहाल स्थिति ने सड़क निर्माण की गुणवत्ता और रखरखाव व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद सड़क जगह-जगह उखड़ी हुई है और बड़े-बड़े गड्ढे राहगीरों के लिए परेशानी का सबब बने हुए हैं। इस मामले में सामाजिक कार्यकर्ता एवं युवा नेता मनमोहन सिंह चौहान ने विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए निष्पक्ष तकनीकी जांच की मांग की है।चौहान ने बताया कि विभागीय जानकारी में सड़क निर्माण पर करीब 6.51 करोड़ रुपये खर्च किए जाने व पांच वर्षों के रखरखाव के लिए 69.09 लाख रुपये की व्यवस्था का उल्लेख है। ऐसे में सवाल उठता है कि इतनी बड़ी धनराशि के बावजूद सड़क की हालत खराब क्यों है और रखरखाव के लिए निर्धारित बजट का कितना उपयोग किया गया है।

उन्होंने मांग की कि सड़क निर्माण में प्रयुक्त सामग्री, कार्य की गुणवत्ता और निर्धारित मानकों की स्वतंत्र तकनीकी जांच कराई जाए। साथ ही रखरखाव के लिए स्वीकृत धनराशि, अब तक किए गए वास्तविक खर्च और संबंधित कार्यों का पूरा विवरण सार्वजनिक किया जाए। चौहान ने कहा कि सड़क की बदहाली का खामियाजा स्थानीय ग्रामीणों, विद्यार्थियों, मरीजों और वाहन चालकों को रोज भुगतना पड़ रहा है।

56 लाख खर्च होने के बाद पता चला भूमि है अनुपयुक्त

पुरोला। मोरी विकासखंड के जखोल में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन निर्माण में हुई देरी ने सरकारी कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। करीब सात साल पहले घोषित भवन का 30 प्रतिशत निर्माण पूरा करने में लगभग 56 लाख खर्च हो चुके हैं लेकिन अब भू-वैज्ञानिकों ने निर्माणाधीन स्थल को अनुपयुक्त घोषित कर दिया है। ऐसे में भवन निर्माण फिर नए सिरे से भूमि चयन की प्रक्रिया में उलझ गया है। ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण शुरू करने से पहले भूमि की भूगर्भीय जांच कराई जानी चाहिए थी। समय रहते जांच होती तो सरकारी धन खर्च होने और निर्माण वर्षों तक लटकने की स्थिति से बचा जा सकता था। अब नई भूमि का चयन और आवश्यक जांच पूरी होने तक भवन निर्माण में और देरी की आशंका है। जखोल के किशन सिंह रावत ने कार्यदायी संस्था मंडी परिषद की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि इसकी लापरवाही का खामियाजा पंचगाई पट्टी के लोगों को भुगतना पड़ रहा है। यह स्वास्थ्य केंद्र क्षेत्र के 13 गांवों के लिए महत्वपूर्ण है लेकिन भवन न बनने से ग्रामीणों को सामान्य उपचार के लिए भी लंबी दूरी तय करनी पड़ती है।

15-20 दिन में ही उखड़ने लगी 60 लाख की सड़क

उत्तरकाशी। उत्तरकाशी-लंबगांव मोटर मार्ग पर तिलोथ से थलन-मानपुर तक किए गए डामरीकरण की गुणवत्ता सवालों के घेरे में है। लोनिवि भटवाड़ी की ओर से करीब सात किलोमीटर सड़क पर 60 लाख की लागत से कराया गया डामरीकरण कार्य पूरा हुए अभी महज 15 से 20 दिन ही बीते हैं लेकिन सड़क पर जगह-जगह गड्ढे उभरने लगे हैं।

लोनिवि भटवाड़ी ने तिलोथ से थलन-मानपुर तक करीब सात किमी सड़क पर हाल ही में डामरीकरण कराया है। इस कार्य पर लगभग 60 लाख खर्च किए गए हैं लेकिन काम पूरा होने के कुछ ही दिनों के भीतर सड़क की सतह क्षतिग्रस्त होने लगी है। विशेष रूप से तिलोथ-कुटेटी की ओर से जहां डामरीकरण शुरू किया गया था वहां बड़े गड्ढे दिखाई देने लगे हैं। कम समय में सड़क की



सतह खराब होने से निर्माण में इस्तेमाल सामग्री, निर्धारित मानकों के अनुपालन और कार्य की गुणवत्ता की जांच को लेकर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों ने डामरीकरण की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि कार्य मानकों के अनुरूप नहीं किया गया। लोगों ने सरकारी धन के सदुपयोग और निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच की मांग उठाई है। मामले में लोनिवि भटवाड़ी के सहायक अभियंता स्वराज चौहान ने बताया कि डामरीकरण के तुरंत बाद वाहनों की आवाजाही होने से कुछ स्थानों पर डामर उखड़ गया था। उन्होंने संबंधित ठेकेदार को क्षतिग्रस्त हिस्सों को ठीक करने के निर्देश दिए हैं।

संक्षिप्त समाचार

परदेस में भारतीय महिलाओं का सहारा बनी लेडीज कॉर्नर, सुशीला शर्मा हक की अगुवाई



बर्लिन, एजेंसी। परदेस में अकेलेपन का दर्द समझने वाली चार भारतीय महिलाओं ने 40 साल पहले जो एक संस्था बनाई थी, उसका पूरा सफर अब एक किताब में दर्ज हो चुका है। मुंबई से बर्लिन पहुंचीं सुशीला शर्मा हक की अगुवाई में लेडीज कॉर्नर बर्लिन ने चार दशक पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर संस्था की सदस्य कविता पाल ने विशेष स्मारिका 40 ग्लोरियस ईयर्स ऑफ लेडीज कॉर्नर बर्लिन तैयार की और इसे केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल को खुद भेंट किया। स्मारिका जर्मनी में भारत के राजदूत अजित गुप्ते को भी सौंपी गई। सुशीला शर्मा हक ने भारत में टाटा इंस्टीट्यूट से समाजसेवा की पढ़ाई की थी। बर्लिन पहुंचकर उन्होंने देखा कि वहां भारतीय समुदाय की गतिविधियां भारत मजलिस के इर्द-गिर्द सिमटी थीं, जिसे यूरोप की पहली भारतीय संस्था माना जाता है। वहां ज्यादातर पुरुष ही जुटते थे और महिलाओं को केवल तीज त्योहारों पर बुलाया जाता था। सुशीला ने उन पुरुषों की पत्नियों और महिला मित्रों से एक-एक कर संपर्क साधा। 1985 में सुशीला ने सुधा कोठारी, डोरा सैमुएल और छाया सेनगुप्ता के साथ मिलकर लेडीज कॉर्नर की नींव रखी। यहां अब वे धार्मिक उत्सव, मनोरंजन से लेकर रोजमर्रा की परेशानियों पर खुलकर चर्चा कर सकती थीं।संस्था का दायरा बढ़ता गया। भारतीय महिलाओं को हर तरह की मदद दी गई और विदेश में भाषा, संस्कृति, त्योहार व संस्कार जीवित रखे गए। सुशीला कहती हैं कि चार दशक पूरे कर चुकी संस्था लेडीज कॉर्नर जर्मनी की एक अंतरराष्ट्रीय संस्था का हिस्सा है। कविता पाल ने स्मारिका में इन चार दशक की यादें, तस्वीरें, प्रेरक कहानियां और उपलब्धियां पिरोई हैं। वह कहती हैं, यह स्मारिका आने वाली पीढ़ियों के लिए एक धरोहर है।

सेना का दावा- 218 लड़ाके और कमांडर मारे गए, अब तक 78 सैन्य वाहन भी तबाह

अदन, एजेंसी। यमन में हूती विद्रोहियों के खिलाफ सेना ने बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई करने का दावा किया है। यमन के सशस्त्र बलों के सैन्य प्रवक्ता



माजिद अब्दुल्ला अल-नुजैली के मुताबिक, 'डॉन ऑफ यमन' अभियान के तहत पिछले 24 घंटे में 753 सटीक हमले किए गए। इन हमलों में करीब 218 हूती लड़ाकों और मैदानी कमांडरों को मार गिराने का दावा किया गया है। सैन्य प्रवक्ता ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अभियान की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सेना ने हूती विद्रोहियों के सैन्य ठिकानों, आपूर्ति मार्गों और उनके कमांड नेटवर्क को निशाना बनाया। इन कार्रवाइयों का उद्देश्य विद्रोहियों की सैन्य गतिविधियों और दोबारा संगठित होने की क्षमता को कमजोर करना था। अल-नुजैली ने बताया कि हमलों में मैदानी कमांड और नियंत्रण केंद्रों, सैन्य ठिकानों, किलेबंदी, हथियारबंद समूहों और विद्रोहियों की मदद के लिए भेजे जा रहे अतिरिक्त बलों को निशाना बनाया गया। इसके अलावा, उनके परिवहन और आपूर्ति के साधनों पर भी कार्रवाई की गई। सेना के प्रवक्ता के अनुसार, इन हमलों से हूती विद्रोहियों की आवाजाही और युद्ध के मोर्चों तक सैन्य संसाधन पहुंचाने की क्षमता प्रभावित हुई। इससे सरकारी बलों को अलग-अलग मोर्चों पर आगे बढ़ने और अभियान चलाने में मदद मिली। यमन की सेना ने अभियान में हूती विद्रोहियों को भारी नुकसान पहुंचाने का दावा किया है।

छात्रों ने पलटी बाजी: वुसिक की सत्ता खत्म, राष्ट्रपति ने खुद मानी हार; 2017 में संभाली थी कमान

बेलग्रेड, एजेंसी। सर्बिया की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। करीब दो साल से सरकार के खिलाफ आंदोलन कर रहे छात्रों ने चुनाव में शानदार प्रदर्शन किया है। शुरुआती नतीजों के आधार पर लंबे समय से सत्ता में काबिज अलेक्जेंडर वुसिक ने हार मान ली है। इस चुनाव को सर्बिया के भविष्य के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। छात्रों की अगुवाई वाले समूह को संसद में बहुमत मिलने के आसार हैं। नतीजों के शुरुआती संकेत मिलते ही राजधानी बेलग्रेड में लोगों ने जश्न मनाना शुरू कर दिया।



वुसिक ने खुद स्वीकार की हार

वुसिक ने रविवार को बेलग्रेड में अपनी पार्टी के मुख्यालय में समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा कि शुरुआती आंकड़ों से साफ है कि उनकी पार्टी चुनाव हार रही है। वुसिक के मुताबिक, 250 सीटों वाली संसद में छात्र समर्थित समूह को 135 से 140 सीटें मिल सकती हैं, जबकि उनकी पार्टी को करीब 105 सीटों से संतोष करना पड़ सकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अभी अंतिम नतीजे आने बाकी हैं। चुनाव सर्वेक्षण एजेंसी के शुरुआती अनुमानों ने भी छात्रों की बढ़त के संकेत दिए। सर्वे के मुताबिक, छात्र आंदोलन से जुड़े उम्मीदवारों को करीब 138 सीटें मिल सकती हैं। वहीं, वुसिक की सर्बियन प्रोग्रेसिव पार्टी को 104 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया। बाकी सीटें जातीय अल्पसंख्यकों की पार्टियों के खाते में जा सकती हैं। अगर ये अनुमान अंतिम नतीजों में बदलते हैं, तो सर्बिया की राजनीति में एक नए दौर की शुरुआत हो सकती है।

चुनाव के शुरुआती नतीजे सामने आते ही बेलग्रेड में छात्रों और उनके समर्थकों के बीच खुशी की लहर दौड़ गई। छात्र आंदोलन के मुख्यालय में लोग 'जीत, जीत' के नारे लगाते दिखे। कहीं तालियां बज रही थीं, तो कहीं लोग एक-दूसरे को गले लगाकर खुशी जाहिर कर रहे थे। बेलग्रेड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर रादोमिर साइचिक ने समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा कि आज लोगों की आवाज सुनी जा रही है। उन्होंने कहा कि जीत का जश्न मनाने के बाद अब देश के भविष्य को बेहतर बनाने की जिम्मेदारी भी उठानी होगी।

इस चुनाव की एक बड़ी खासियत भारी मतदान रहा। चुनाव निगरानी संस्थाओं ष्टश्वस्ढ्ढष्ट और ढ्ढक्कख्ह्स के मुताबिक, रविवार शाम सात बजे तक 67.6 प्रतिशत मतदाता वोट डाल चुके थे। बताया गया कि 1992 में यूगोस्लाविया के विघटन के बाद यह सबसे अधिक मतदान था। चुनाव से पहले आए सर्वेक्षणों में तस्वीर साफ नहीं थी। माना जा रहा था कि मुकाबला कड़ा होगा और छात्रों के आंदोलन को चुनाव में कितनी सफलता मिलेगी, यह कहना मुश्किल है। लेकिन बड़ी संख्या में लोगों के मतदान के लिए बाहर निकलने से सत्ता परिवर्तन की संभावनाएं मजबूत होती दिखाई दीं।

छात्र आंदोलन पिछले दो साल से वुसिक सरकार के खिलाफ आवाज उठा रहा था। आंदोलन ने युवाओं के साथ समाज के दूसरे वर्गों का भी ध्यान खींचा। सरकार के कामकाज और वुसिक की बढ़ती सत्तावादी शैली को लेकर असंतोष इस चुनाव का अहम मुद्दा बना। वुसिक एक दशक से ज्यादा समय तक सर्बिया की राजनीति में प्रभावशाली बने रहे। पिछले महीने छात्रों के बढ़ते दबाव के बीच उन्होंने राष्ट्रपति पद छोड़ने और समय से पहले चुनाव कराने का फैसला किया था। अब शुरुआती नतीजे उनके राजनीतिक भविष्य के लिए बड़ा झटका माने जा रहे हैं।

यूरोप की राजनीति पर भी पड़ सकता है असर

वुसिक की हार के संकेतों ने यूरोप में लोकतंत्र और सत्ता परिवर्तन को लेकर नई चर्चा छेड़ दी है। उनके करीबी सहयोगी माने जाने वाले हंगरी के नेता विक्टर ओर्बन की राजनीतिक मुश्किलों से भी इस घटनाक्रम की तुलना की जा रही है। हालांकि, सर्बिया में सत्ता परिवर्तन की पूरी तस्वीर अंतिम चुनाव परिणामों और आगे बनने वाली सरकार पर निर्भर करेगी। फिलहाल इतना साफ है कि छात्रों के आंदोलन ने देश की राजनीति में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई है।

ब्राजील में राष्ट्रपति चुनाव: अमेरिका और ट्रंप के विरोधी लूला की जीत, दूसरे दौर के मतदान के बाद आए नतीजे

रियो डी जनेरियो, एजेंसी। ब्राजील में रविवार को राष्ट्रपति चुनाव के दूसरे दौर के लिए मतदान



के बाद नतीजे आ चुके हैं। इसमें मौजूदा राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा को बहुमत मिला है। जेल में बंद पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो के बेटे फ्लावियो बोल्सोनारो के साथ कड़े मुकाबले के बीच लूला ने जीत दर्ज की। दोनों उम्मीदवारों को जनवरी में देश का अगला राष्ट्रपति बनने के लिए 50 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल करने थे। लूला 50 फीसदी से अधिक वोट हासिल करने में सफल रहे। ब्राजील चुनाव के नतीजे तय करेंगे कि लैटिन अमेरिका में अमेरिका का बढ़ता प्रभाव और मजबूत होगा या वामपंथी नेतृत्व मजबूत रहेगा। मतदान और नतीजों से पहले आए सर्वेक्षणों में दोनों उम्मीदवारों के बीच कांटे की टक्कर दिखाई गई थी। वामपंथी विचारधारा वाले अनुभवी नेता लूला बीते कुछ समय से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का मुखर विरोध करने के कारण सुर्खियों में रहे हैं। चुनाव में प्रतिद्वंद्वी फ्लावियो बोल्सोनारो अमेरिका की तरफ झुकाव रखने के साथ ट्रंप के सहयोगी भी रहे हैं। फ्लावियो, जेल में बंद ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो के बेटे हैं। इस महीने की शुरुआत में हुए चुनाव के पहले चरण में फ्लावियो ने लूला से 22 लाख से अधिक वोट हासिल किए थे। हालांकि, करीब 16 करोड़ मतदाताओं वाले देश में 3.30 करोड़ से अधिक लोगों ने मतदान नहीं किया था, जबकि ब्राजील में मतदान करना अनिवार्य है। अमेरिका के साथ संबंधों, जलवायु परिवर्तन और सामाजिक कल्याण जैसे मुद्दों पर लूला और फ्लावियो के विचार एक-दूसरे से काफी अलग हैं। फ्लावियो की जीत से लैटिन अमेरिका के सबसे अधिक

मतदान से पहले पीएम नेतन्याहू के तेवर बदले, 7 अक्तूबर 2023 की चूक पर देश की जनता कितनी नाराज

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल में 27 अक्तूबर को होने वाले संसदीय चुनाव से ठीक पहले राजनीतिक सरगर्मी अपने चरम पर है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अपनी सत्ता बचाने के लिए आक्रामक तेवरों के साथ मैदान में हैं, लेकिन उनके खिलाफ जनता का आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा है। राजधानी तेल अवीव समेत कई हिस्सों में हजारों प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर उतरकर जोरदार प्रदर्शन किया है। हमास के हमलों और गाजा व ईरान युद्ध के बाद हो रहा पहला चुनाव नेतन्याहू के राजनीतिक भविष्य का जनमत संग्रह माना जा रहा है। नेतन्याहू अपनी सुरक्षा नीतियों और कड़े रुख के जरिये मतदाताओं को साधने में जुटे हैं। कभी सीमित और रक्षात्मक कदमों के पक्षधर रहे नेतन्याहू ने अब गाजा, लेबनान और ईरान के खिलाफ आक्रामक कार्रवाई को अपनी सबसे बड़ी यूएसपी बना लिया है। उन्होंने दक्षिणपंथी मतदाताओं को एकजुट करने पर पूरा जोर दिया है ताकि बहुमत का आंकड़ा (61 सीटें) जुटाया जा सके। सुरक्षा और खुफिया चूक की जवाबदेही चुनाव का सबसे बड़ा मुद्दा बन गई है। बंधक बनाए गए लोगों के परिजनों और आम जनता का आरोप है कि नेतन्याहू 7 अक्तूबर 2023 के हमलों से जुड़ी विफलताओं की स्वतंत्र जांच से बच रहे हैं। इस आंदोलन को विपक्षी दलों का भी पूरा समर्थन मिल रहा है। तेल अवीव के होस्टेज स्क्वायर पर उमड़ी हजारों की भीड़ ने नेतन्याहू के खिलाफ तीखा रोष प्रकट किया। इस दौरान विपक्षी नेता और याशर पार्टी के प्रमुख गादी आइजनकोट को भारी समर्थन मिला, जिन्हें नेतन्याहू का सबसे बड़ा प्रतिद्वंद्वी माना जा रहा है। चुनाव पूर्व सर्वेक्षणों में भी आइजनकोट आगे चल रहे हैं। एजेंसी नेतन्याहू ने रविवार को एआई से बनी इस्राइल पर परमाणु बम गिरने की एक तस्वीर साझा की। उन्होंने लिखा है कि इस्राइल के सामने अस्तित्व का खतरा है। अगर ईरान ने परमाणु हथियार हासिल कर लिए, तो बाकी किसी चीज का कोई मतलब नहीं रह जाएगा। ईरान से पैदा होने वाले खतरे के सामने बाकी सभी मुद्दे मामूली हैं। वहीं, विपक्षी नेता यायर गोलान ने आरोप लगाया कि नेतन्याहू लोगों में डर फैला रहे हैं।

50 साल बाद विदेश में सेना भेजेगा अल्जीरिया

नाइजर में तेल और गैस ठिकानों की सुरक्षा पर नजर, क्या है मामला

अल्जीरियर्स, एजेंसी। अल्जीरिया ने करीब 53 साल बाद विदेश में अपनी सेना भेजने का फैसला किया है। रविवार को देश की संसद ने नाइजर में सैनिकों की तैनाती के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इससे पहले 1973 में अरब-इजरायल युद्ध के दौरान अल्जीरिया ने मिस्र की मदद के लिए अपने सैनिक भेजे थे। हालांकि, इस बार सेना की तैनाती कब होगी, कितने सैनिक जाएंगे और उन्हें किस इलाके में रखा जाएगा, इस बारे में अभी कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। अल्जीरिया के सीनेटर बेलकासेम बोलघिती ने कहा कि नाइजर में सैनिक भेजने का मुख्य मकसद देश के आर्थिक और रणनीतिक हितों की रक्षा करना है। खास तौर पर वहां मौजूद तेल से जुड़ी सुविधाओं को सुरक्षित रखना जरूरी है। उन्होंने साफ किया कि सेना को नाइजर में युद्ध लड़ने



के लिए नहीं भेजा जा रहा, बल्कि उसे अहम आर्थिक ढांचे की सुरक्षा की जिम्मेदारी दी जाएगी। उनके मुताबिक, साहेल क्षेत्र में बदलते हालात को देखते हुए अल्जीरिया को अपनी रणनीति में बदलाव करना पड़ रहा है। नाइजर में अल्जीरिया की दिलचस्पी की एक बड़ी वजह प्राकृतिक गैस से जुड़ी परियोजना भी है। अल्जीरिया की सरकारी ऊर्जा कंपनी सोनाट्राच नाइजर के साथ मिलकर ट्रांस-सहारा गैस पाइपलाइन परियोजना पर काम कर रही है। इस परियोजना के तहत नाइजीरिया से प्राकृतिक गैस को नाइजर के रास्ते अल्जीरिया तक लाने की योजना है। इसके बाद गैस को यूरोपीय देशों के बाजारों में पहुंचाया जा सकेगा। ऐसे में इस परियोजना से जुड़े बुनियादी ढांचे की सुरक्षा दोनों देशों के लिए काफी अहम है। अफ्रीका के पश्चिमी साहेल इलाके में लंबे समय से हिंसा और अस्थिरता बनी हुई है। नाइजर, माली और बुर्किना फासो जैसे देश अल-कायदा और इस्लामिक स्टेट से जुड़े हथियारबंद गुटों के हमलों का सामना कर रहे हैं। इन संगठनों के हमलों में बड़ी संख्या में लोग मारे गए हैं। इसके अलावा, पिछले कुछ वर्षों में इन तीनों देशों में सैन्य तख्तापलट भी हुए हैं। राजनीतिक उथल-पुथल और लगातार हो रहे हमलों के कारण यहां की सुरक्षा व्यवस्था पर भारी दबाव है। अल्जीरिया का यह फैसला नाइजर के साथ उसके सुधरते रिश्तों का भी संकेत देता है। अगस्त में नाइजर की सैन्य सरकार के खिलाफ बगावत की कोशिश हुई थी। जनरल अब्दौराहमाने त्चियानी के नेतृत्व वाली सत्ता के समर्थन में अल्जीरिया खुलकर सामने आया था।

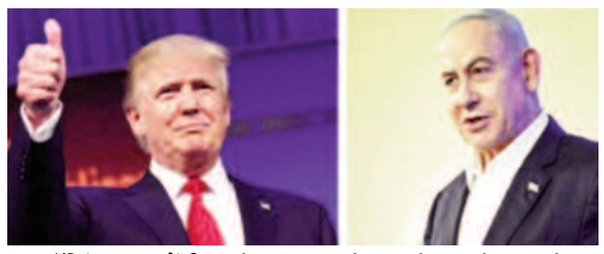
'खत्म की ईरान की परमाणु क्षमता': ट्रंप का दावा, कहा- होर्मुज से बढ़ी तेल सप्लाई

वॉशिंगटन/रियाद, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई का बचाव करते हुए दावा किया है कि अमेरिकी हमलों ने ईरान की परमाणु क्षमता को पूरी तरह नष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने की अनुमति देना गंभीर खतरा पैदा कर सकता है। ट्रंप के मुताबिक, संभावित परमाणु संघर्ष को रोकने के लिए पहले ही कार्रवाई करना जरूरी था। मिशिगन में रैली से पहले ट्रंप ने कहा, 'आप समस्याएं देखना चाहते हैं आप सिर्फ ऊर्जा से जुड़ी समस्याएं नहीं, बल्कि मौत से जुड़ी समस्याएं भी देखना चाहते हैं उन्हें परमाणु हथियार रखने दीजिए, क्योंकि वे उसका इस्तेमाल करेंगे। मुझे पहले ही यह कार्रवाई करनी थी। जब मैंने यह किया, तब मुझे पता था कि हमने उनकी परमाणु क्षमता को बुरी



तरह तबाह कर दिया है। आप जानते हैं, यह नुकसान किसी की भी कल्पना से कहीं ज्यादा था। वह खत्म हो चुकी है।' वैश्विक ऊर्जा बाजार में उतार-चढ़ाव की आशंकाओं के बीच ट्रंप ने दावा किया कि रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य से अब युद्ध से पहले के मुकाबले अधिक तेल का परिवहन हो रहा है। उन्होंने इसका श्रेय अमेरिकी नौसेना की नाकेबंदी और सैन्य अभियानों को दिया। ट्रंप ने कहा, 'मुझे पता था कि इससे कीमतों में थोड़ी बढ़ोतरी होगी। अब अगर आप देखें, तो कल वॉल स्ट्रीट जर्नल के पहले पन्ने पर था कि होर्मुज जलडमरूमध्य से निकलने वाला तेल अब युद्ध से पहले के स्तर से भी आगे निकल गया है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि हमने नाकेबंदी की है और हमारी सेना, खासकर हमारी नौसेना ने शानदार काम किया है।' उन्होंने आगे कहा, 'हमने समुद्री नाकेबंदी कर रखी है और इस समय होर्मुज से युद्ध शुरू होने से पहले के मुकाबले ज्यादा तेल निकल रहा है।' इस बीच, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि भविष्य में युद्ध होता है या नहीं, इससे ईरान की नीतियों पर असर नहीं पड़ेगा। ईरानी समाचार एजेंसी आईएसएनए के मुताबिक, उन्होंने चेतावनी दी कि तेहरान के खिलाफ दोबारा सैन्य कार्रवाई करना तर्कहीन होगा। अराघची ने कहा, 'आज फिर युद्ध की बातें हो रही हैं, लेकिन अब से मैं युद्ध के बारे में सोच रहा हूं। युद्ध हो या न हो, हमारी नीतियां अपनी जगह बनी रहेंगी।' सऊदी अरब में मिसाइल और ड्रोन हमलों के बाद अमेरिका ने अपने गैर-आपातकालीन सरकारी कर्मचारियों और उनके पात्र परिवार के सदस्यों को देश छोड़ने का आदेश दिया है। रियाद स्थित अमेरिकी दूतावास ने इसकी जानकारी दी। अमेरिकी विदेश विभाग ने यह फैसला नागरिक हवाई अड्डों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के हमलों से पैदा हुए सुरक्षा जोखिमों को देखते हुए लिया है। रिफाइनरियों और सऊदी अरब के कई अन्य विमानन तथा सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया।

'बीबी को वोट दें': इस्राइल चुनाव से पहले ट्रंप का नेतन्याहू को समर्थन



वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस्राइल में होने वाले चुनाव से पहले एक बार फिर प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का खुलकर समर्थन किया है। उन्होंने इस्राइल के नागरिकों से नेतन्याहू को वोट देने की अपील करते हुए उन्हें एक बेहतरीन और साहसी प्रधानमंत्री बताया। ट्रंप ने दोनों नेताओं के करीबी संबंधों और ईरान के खिलाफ संयुक्त सैन्य अभियान का भी जिक्र किया।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में नेतन्याहू की तारीफ की। उन्होंने अमेरिकी सैन्य अभियानों का हवाला देते हुए दावा किया कि ईरान की सैन्य ताकत और अर्थव्यवस्था को गंभीर नुकसान पहुंचा है।

ट्रंप ने लिखा, 'इस्राइल के लोगों से, खासकर उन लोगों से जिन्होंने इसे नहीं देखा है, मैं एक सप्ताह पहले आपके प्रधानमंत्री बीबी नेतन्याहू के समर्थन में दिए गए अपने बयान को साझा कर रहा हूं। जैसा कि सभी जानते हैं, यहां तक कि दुश्मन भी जानते हैं कि बीबी और मेरे बीच अच्छे संबंध रहे हैं और हमने मिलकर जीत हासिल की है।' उन्होंने लिखा, 'मैंने वेनेजुएला में हमला किया, जो इतिहास के सबसे सफल सैन्य अभियानों में से एक था। लेकिन उससे पहले हमने ऑपरेशन मिडनाइट हैमर चलाया, जिससे दुनिया के आतंकवाद को प्रायोजित करने वाले सबसे बड़े देश को परमाणु हथियार हासिल करने से रोका गया। इसके बाद हमने ऑपरेशन एपिक फ्यूरी चलाया। अब ईरान के पास न नौसेना है और न वायुसेना। उसकी सेना और अर्थव्यवस्था दोनों बुरी हालत में हैं। ईरान में महंगाई दर भी 301 प्रतिशत है।' ट्रंप ने ईरान की नौसैनिक नाकेबंदी का भी जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि इस नाकेबंदी के कारण ईरान को तेल नहीं मिल पा रहा है और उसके सैन्य तथा अन्य नेतृत्व के दो स्तर खत्म हो चुके हैं। उन्होंने कहा, 'जब आप मतदान करने जाएं, तो याद रखें कि बीबी एक बेहतरीन और साहसी प्रधानमंत्री रहे हैं। कुछ बेहद बुरे लोगों ने इस्राइल को 'छोटा शैतान' और अमेरिका को 'बड़ा शैतान' कहा था।' ट्रंप ने इस्राइल के लोगों से अभियान को पूरा करने की अपील करते हुए कहा, 'दुनिया भर में अब 'अमेरिका की मौत हो, इस्राइल की मौत हो' जैसे नारे नहीं सुनाई देने चाहिए और ऐसा नहीं होगा। प्रधानमंत्री के लिए बीबी नेतन्याहू को वोट दें। हमें उस काम को पूरा करना है, जिसकी शुरुआत हमने की थी।'

ब्राजील में लूला की वापसी: बोल्सोनारो ने हार मानने से किया इनकार, चुनावी नतीजे रद्द करने की उठाई मांग

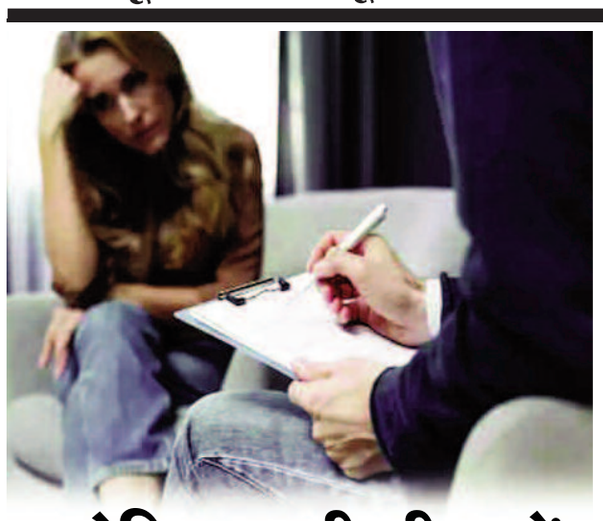
ब्रासीलिया, एजेंसी। ब्राजील के राष्ट्रपति चुनाव में लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा ने अपने प्रतिद्वंद्वी फ्लावियो बोल्सोनारो को हराकर जीत हासिल की। इस जीत के साथ देश की राजनीति में एक बार फिर बड़ा बदलाव देखने को मिला। चुनाव में हार के बाद बोल्सोनारो ने नतीजों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया और चुनाव रद्द करने की मांग उठाई। लूला की जीत को लैटिन अमेरिका की राजनीति के लिहाज से भी अहम माना जा रहा है, क्योंकि इससे क्षेत्र में वामपंथी विचारधारा वाले नेताओं की स्थिति मजबूत हुई है।

करीब 44 लाख वोटों से मिली जीत

ब्राजील के चुनाव अधिकारियों के मुताबिक, सभी वोटों की गिनती पूरी होने के बाद लूला को कुल 51.8 फीसदी वोट मिले। उन्होंने बोल्सोनारो को करीब 44 लाख वोटों से पीछे छोड़ दिया। नतीजों की घोषणा के बाद लूला के समर्थकों में जश्न का माहौल बन गया। साओ पाउलो में बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतर आए, जबकि रियो डी जनेरियो में गाड़ियों के हॉर्न बजाकर जीत का जश्न मनाया गया। ब्राजील के राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल करने के बाद लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा ने कहा कि उनकी पार्टी ने



लोगों को यह समझाने में सफलता हासिल की कि ब्राजील में लोकतंत्र की रक्षा के लिए मतदान करना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि उनकी जीत के साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए किए गए विदेशी हस्तक्षेप को भी मात मिली है। लूला ने साफ कहा कि ब्राजील किसी दूसरे देश का पिछवाड़ा नहीं है और देश अपने फैसले खुद लेने में सक्षम है। उन्होंने आगे कहा कि उनकी सरकार देश चलाने के तरीके में बदलाव करेगी और फैसले लेने की प्रक्रिया में आम लोगों की भागीदारी बढ़ाई जाएगी, ताकि जनता की आवाज को अधिक महत्व मिल सके। चुनाव में हार के बाद बोल्सोनारो ने मतदान का समय बढ़ाने के फैसले पर सवाल उठाए। उन्होंने इसे असाधारण कदम बताते हुए नतीजों को रद्द करने की मांग की। हालांकि, मतदान का समय बढ़ाने की मांग दोनों उम्मीदवारों की ओर से की गई थी। लूला के समर्थकों ने कुछ शहरों में बसों से मतदान केंद्रों तक पहुंचने में परेशानी की शिकायत की थी, जबकि बोल्सोनारो के समर्थक इलाकों में भारी बारिश के कारण दिक्कतें सामने आई थीं। मतदान खत्म होने से कुछ मिनट पहले ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस क्रिस्टियानो जैनिन ने मतदान का समय दो घंटे बढ़ाने का आदेश दिया। इस फैसले से कई मतदान केंद्रों पर असमंजस की स्थिति पैदा हो गई। कुछ जगहों पर वोटिंग मशीनें बंद हो चुकी थीं, जबकि कई केंद्रों पर चुनावी प्रक्रिया को लेकर भ्रम बना रहा। इसके चलते मतगणना में भी देरी हुई। बोल्सोनारो के सहयोगियों ने फैसले पर सवाल उठाए और जस्टिस के पुराने राजनीतिक संबंधों का जिक्र किया। इस चुनाव में महंगाई, रोजगार और अपराध जैसे मुद्दों का खास असर देखने को मिला। बोल्सोनारो ने अपराध पर सख्ती बरतने और रोजमर्रा की चीजों की कीमतें कम करने का वादा किया था। दूसरी ओर, लूला ने सामाजिक कल्याण योजनाओं और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा को अपने प्रचार का अहम हिस्सा बनाया। पहले दौर में पिछड़ने के बाद लूला ने अपने अभियान में बदलाव किया और युवाओं समेत अलग-अलग वर्गों के मतदाताओं को अपने पक्ष में करने की कोशिश की।



मनोविज्ञान की फील्ड में बना सकते हैं करियर

मनोविज्ञान का क्षेत्र है, जिसमें प्रत्येक आयुवर्ग के लोग विशेषज्ञता हासिल कर अपना करियर बना सकते हैं। इसमें मानव मन और व्यवहार का अध्ययन किया जाता है। मसलन, मस्तिष्क तनाव में कैसे काम करता है, यह कैसे भाषा सीखता है, तथ्यों को कैसे याद रखता है या किसी भी तरह की मानसिक बीमारी इसके काम करने के तरीके को कैसे प्रभावित कर सकती है। इस सेक्टर में विशेषज्ञता और रुचियों के आधार पर मनोविज्ञान डिग्री धारकों के लिए कई अलग-अलग विकल्प उपलब्ध हैं, जो कि इस प्रकार हैं-

◗ मनोविज्ञानी ◗ मनोचिकित्सक ◗ समाज सेवक ◗ काउंसलर ◗ शैक्षिक मनोवैज्ञानिक ◗ मानव संसाधन प्रबंधक ◗ अध्यापक ◗ अनुसंधान भूमिकाएं ◗ मीडिया भूमिकाएं ◗ मनोविज्ञान में करियर

मनोविज्ञान का कोर्स करने के बाद छात्र पब्लिक और प्राइवेट हेल्थ केयर, एजुकेशन, मेंटल हेल्थ स्पोर्ट्स, सोशल वर्क, थेरेपी एंड काउंसलिंग जैसे कई सेक्टर में करियर बना सकते हैं। यहां पर वे सलाहकार, अनुसंधान-आधारित, उपचार-आधारित या चिकित्सीय की भूमिका निभा सकते हैं। इसके अलावा मीडिया और अन्य रचनात्मक फील्ड में नौकरियों सहित मनोविज्ञान स्नातकों के लिए कई ऑप्शन भी हैं।

चार्टर्ड मनोवैज्ञानिक

एक चार्टर्ड मनोवैज्ञानिक के तौर पर आप व्यावसायिक मनोविज्ञान, शैक्षिक मनोविज्ञान, खेल और मानसिक स्वास्थ्य जैसे कई क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल कर सकते हैं। यहां आप सभी पृष्ठभूमि के लोगों, रोगियों और क्लाइंट के साथ काम कर सकते हैं। इसके अंतर्गत आप कुछ मनोवैज्ञानिक मुद्दों पर बेहतर ढंग से समझने और सलाह देने के लिए आप व्यवहार, विचारों और भावनाओं का विश्लेषण कर सकते हैं। हालांकि यदि आप मनोचिकित्सक बनना चाहते हैं तो इसके लिए आपको मेडिकल डिग्री हासिल करने की आवश्यकता होगी।

मनोचिकित्सक

एक मनोचिकित्सक के तौर आपको व्यक्तियों, जोड़ों, समूहों या परिवारों के साथ काम करता होगा। जिससे आप अपने क्लाइंट्स को भावनात्मक और रिश्ते से संबंधित मुद्दों, तनाव और यहां तक कि व्यसन सहित मनोवैज्ञानिक परेशानियों को दूर करने में मदद कर सके। इनमें संज्ञानात्मक व्यवहार विधियां, मनोविश्लेषणात्मक और मनोगतिक चिकित्सा, साथ ही कला चिकित्सा, नाटक चिकित्सा, ह्यूमनिस्टिक और एकीकृत मनोचिकित्सा, सम्मोहन-मनोचिकित्सा और अनुभवात्मक चिकित्सा शामिल हैं।

समाज सेवक

एक सामाजिक कार्यकर्ता के तौर पर आपको ऐसे लोगों की स्थितियों में सुधार लाने के लिए काम करना होगा, जो अपने जीवन में कठिन दौर से गुजर रहे हैं। ये कोई भी हो सकते हैं जैसे बच्चों या बुजुर्गों का या ऐसा ही अन्य कोई ग्रुप, विकलांग लोगों और अपराध और दुर्व्यवहार के शिकार लोगों सहित अन्य कई। सामाजिक कार्यकर्ता स्कूलों, घरों, अस्पतालों या अन्य सार्वजनिक एजेंसियों के भीतर काम कर सकते हैं।

काउंसलर

एक काउंसलर लोगों को उनके जीवन, भावनाओं और अनुभवों के साथ बेहतर तरीके से सामंजस्य बिठाने में मदद करता है। यहां पर क्लाइंट की बातों को ध्यान से सुनना एक काउंसलर के लिए सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। एक काउंसलर में सुनने, सहानुभूति देने, सम्मान और धैर्य प्रदान करने की क्षमता साथ विश्लेषण करने की क्षमता होनी जरूरी है, ताकि क्लाइंट को उनकी स्थिति से बेहतर तरीके से निपटने में सक्षम बनाया जा सके। एक काउंसलर अक्सर विवाह और परिवार, स्वास्थ्य, दुर्व्यवहार, पुनर्वास, शिक्षा, दुख, मानसिक स्वास्थ्य, करियर मार्गदर्शन और बाल रोग सहित अनेक क्षेत्र शामिल हैं।

शिक्षा में मनोविज्ञान करियर

मनोविज्ञान कोर्स के बाद आप शिक्षा के क्षेत्र में भी जा सकते हैं। यहां आप शिक्षा के साथ-साथ शैक्षिक चिकित्सा, शैक्षिक मनोविज्ञान और शिक्षा के भीतर सामाजिक कार्य, मनोविज्ञान स्नातक प्राथमिक, माध्यमिक या कॉलेज, यूनिवर्सिटी स्तर की शिक्षा में काम कर रहे शिक्षकों के रूप में कार्य कर सकते हैं। इसके अलावा जेल के अंदर के युवा अपराधियों को ठीक करने के लिए काम कर सकते हैं। वहीं महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में करियर में प्रवेश करने के लिए आपको मास्टर / पीएचडी योग्यता की आवश्यकता होगी। उच्च शिक्षा के अंतर्गत आप शिक्षण या रिसर्च दोनों ही क्षेत्र में करियर बना सकते हैं।

रिसर्च में करियर

मनोविज्ञान के तौर पर आप रिसर्च एजेंसियों, पब्लिक और प्राइवेट ऑर्गनाइजेशन या विश्वविद्यालयों में रिसर्च कर सकते हैं। सभी क्षेत्रों के भीतर रिसर्च करियर और भी व्यापक हैं, इसमें सरकारी नीति विकास या उद्योग के लिए काम कर सकते हैं। आप एक चैरिटी या अन्य गैर-लाभकारी संगठन के लिए भी काम कर सकते हैं जो भाषण बाधाओं, मस्तिष्क क्षति, बाल विकास या मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य पर कानूनी और अवैध दवाओं के प्रभाव जैसी चुनौतियों को हल करने के लिए रिसर्च कर रहे हैं।

मीडिया और विज्ञापन करियर

मनोविज्ञान डिग्री होल्डरों के लिए मीडिया में भी विविध करियर हैं। मनोविज्ञान स्नातक मानव व्यवहार को लेकर कंपनी के लिए कई महत्वपूर्ण बातें बता सकते हैं। साथ ही समस्याओं का विश्लेषण करने, ध्यान से सुनने, प्रतिक्रिया देने और सहानुभूति और कारण के साथ कार्य करने की क्षमता प्रदान कर सकते हैं। इस वजह से, प्रबंधन, उत्पादन, शेड्यूलिंग और लेखन सहित सभी विभागों के भीतर मनोविज्ञान स्नातकों की मांग होती है।

मानव संसाधन और संचार करियर

मनोविज्ञान की डिग्री के साथ ह्यूमन रिसोर्स और कम्युनिकेशन करियर भी एक अच्छा विकल्प है। पब्लिक और प्राइवेट दोनों क्षेत्रों में उपलब्ध इन भूमिकाओं में कर्मचारी संतुष्टि, व्यावसायिक विकास, प्रशिक्षण, भर्ती, पीआर, पेरोल और आंतरिक संचार जैसे क्षेत्र शामिल हैं।



इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते हैं क्या है प्रवेश प्रक्रिया

इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते है तो मास्टर्स में न्यूनतम 55% अंक आवश्यक है। इसके अलावा इंटरनेशनल रिलेशन से संबंधित विषयों में पोस्ट ग्रेजुएशन या एम. फिल की डिग्री होनी चाहिए।

अगर आप भी इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते है तो मास्टर्स में न्यूनतम 55% अंक आवश्यक है। इसके अलावा इंटरनेशनल रिलेशन से संबंधित विषयों में पोस्ट ग्रेजुएशन या एम. फिल की डिग्री होनी चाहिए। यह 3-5 साल का कोर्स होता है। इसमें अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, अंतर्राष्ट्रीय संबन्ध, और विभिन्न देशों के बीच सम्बन्ध के कारकों और पहलुओं का अध्ययन और विश्लेषण किया जाता है। अगर आप भी इंटरनेशनल स्टडीज में पीएचडी करके राजनयिक के तौर पर काम करना चाहते है तो आइये जानते है इसमें नामांकन के लिए क्या योग्यताएं होनी चाहिये।

योग्यता

- संबंधित विषय में एम फिल की डिग्री या पोस्ट ग्रेजुएशन होना चाहिए।
- उम्मीदवार के पास मास्टर डिग्री में न्यूनतम 55% अंक होना आवश्यक है।
- विश्वविद्यालयों द्वारा भी परीक्षाएं आयोजित कराई जाती है।
- आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों के लिए 5% अंकों की छूट दी जाती है।
- यूजीसी-नेट जैसी राष्ट्रीय परीक्षाओं भी आयोजित की जाती हैं।
- प्रवेश परीक्षा के बाद साक्षात्कार होता है अगर आपने उसमें अच्छा स्कोर किया तो आपको स्कॉलरशिप भी मिल सकती है।

रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया

पीएचडी इन इंटरनेशनल स्टडीज के लिए भारत के टॉप कॉलेजों द्वारा अपनाई जाने वाली एडमिशन प्रोसेस इस प्रकार है

- ऑफिशयल वेबसाइट पर जाएं।
- ऑफिशयल वेबसाइट पर जाने के बाद आवेदन फॉर्म भरें।
- फार्म को ध्यान से भरें नहीं तो आपका फार्म रिजेक्ट हो सकता है
- सभी दस्तावेज जो भी मांगे गए है उनको अपलोड करिये।
- ऑनलाइन फॉर्म की फीस जमा करें।
- फार्म को सबमिट करें।

प्रवेश परीक्षा

अगर आप किसी अच्छी यूनिवर्सिटी में प्रवेश लेना चाहते है तो प्रवेश परीक्षा में अच्छा स्कोर करना पड़ेगा। रजिस्ट्रेशन के बाद एडमिट कार्ड जारी किये जाते है। जिनमे परीक्षा की सारी जानकारी होती है। प्रवेश प्रक्रिया सीएसआईआर यूजीसी नेट, एसआईयूपीईटी, एमिटी यूनिवर्सिटी पीईटी जैसे एंट्रेंस एग्जाम पर निर्भर करती है।

प्रवेश प्रक्रिया

परीक्षा परिणाम के लिए आप वेबसाइट से जानकारी प्राप्त कर सकते है, प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है। साक्षात्कार में सफल होने के बाद डॉक्टरेट स्तर पर इंटरनेशनल स्टडीज का अध्ययन करने के लिए एडमिशन दिया जाता है।

पीएचडी इन इंटरनेशनल स्टडीज- सिलेबस

- एडवांस्ड थ्योरी ऑफ इंटरनेशनल रिलेशन
- एडवांस्ड रिसर्च मेथेड
- फेमिनिस्ट इंटरनेशनल रिलेशन
- थिसिस
- शांति और संघर्ष अध्ययन

देश के कुछ टॉप कॉलेज

- झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सिम्बायोसिस लॉ स्कूल, पुणे
- लाजपत राय लॉ कॉलेज
- शिव नादर विश्वविद्यालय
- गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय
- रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी
- एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा
- कलिंग विश्वविद्यालय
- पंजाब विश्वविद्यालय
- पी.पी. सवानी विश्वविद्यालय
- यूएनओएम, मद्रास विश्वविद्यालय
- गुरु नानक देव विश्वविद्यालय

क्रिएटिव राइटिंग सिर्फ शौक ही नहीं, करियर भी बन सकता है। इसी के साथ जुड़ा हुआ है एक और करियर, जो है ट्रांसलेटर यानी अनुवादक का। इसके लिए तो अनेक संस्थानों में काफी स्कोप रहता है।



करियर भी बना सकता है क्रिएटिव राइटिंग का शौक

कहां है मांग?

रेलवे, बैंक, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों (पीएसयू) आदि में अनुवादकों की अच्छी डिमांड रहती है। आप चाहें, तो फ्रीलांसर के तौर पर भी काम कर सकते हैं। वहीं इंटरप्रेटर के रूप में खुद को तैयार करके आप विभिन्न देशों के दूतावासों तथा विदेशी कंपनियों में जॉब पा सकते हैं। यह एक दिलचस्प जॉब है, जिसमें हर दिन कुछ नया सीखने को मिलता है। अभ्यास बहुत जरूरी लेखक बनने का हुनर कई लोगों में जन्मजात होता है मगर इस हुनर को मांजना बहुत जरूरी है। हर लिखने वाला प्रभावशाली नहीं होता। अगर आप भी बतौर क्रिएटिव राइटर करियर बनाना चाहते हैं, तो सरल, सहज और प्रभावी लिखने का अभ्यास करते रहें। पुराने क्लासिक्स से लेकर नए, प्रमुख लेखकों की किताबें तथा पत्र-पत्रिकाओं मे छपने वाले उनके कॉलम जरूर पढ़ते रहें। आप जितना ज्यादा पढ़ेंगे, उतना ही आपका लेखन निखरेगा। यहां ध्यान रखने वाली बात यह है कि आप सीखें सबसे लेकिन लिखते समय अपनी मौलिक पहचान जरूर बनाए रखें। आपके लेखन में किसी अन्य लेखक की नकल या प्रभाव नहीं दिखना चाहिए।

कहां से पढ़ें?

यदि आप करियर के तौर पर क्रिएटिव राइटिंग या ट्रांसलेशन को अपनाना चाहते हैं, तो बेहतर होगा कि आप इसके लिए बाकायदा कोर्स कर लें। क्रिएटिव राइटिंग का कोर्स इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय तथा अन्य प्रमुख विश्वविद्यालयों से किया जा सकता है। वहीं ट्रांसलेटर या इंटरप्रेटर बनने के लिए आपको केंद्रीय हिंदी संस्थान या किसी अन्य आधिकारिक संस्थान से अनुवाद का कोर्स करना होगा।



अगर आप सक्सेसफुल करियर बनाना चाहते हैं, तो आपके अंदर बेहतर कम्युनिकेशन स्किल का होना बेहद जरूरी है। क्योंकि एक अच्छी कम्युनिकेशन स्किल से आप अपने करियर को उच्च स्तर तक ले जा सकते हैं। कम्युनिकेशन स्किल आपकी पर्सनेलिटी का ही हिस्सा है, इसलिए अपनी पर्सनालिटी को इंप्रूव करने के लिए आपको अपनी कम्यूनिकेशन स्किल भी बेहतर करनी होगी।



पर्सनालिटी को इंप्रूव करने के लिए जरूरी है कम्युनिकेशन स्किल

कम्युनिकेशन स्किल बातचीत करना की एक कला है। ये बिल्कुल भी जरूरी नही है कि हर इंसान को बात करने की कला या सही तरीका आता हो। कम्युनिकेशन स्किल का डिग्री और पढ़ाई-लिखाई से भी कुछ लेना देना नहीं है, क्योंकि ये जरूरी नही है कि हर पढ़े-लिखे और डिग्रीधारी शख्स की कम्युनिकेशन स्किल अच्छी ही हो। लेकिन कुछ बातों का ध्यान रखकर इसमें सुधार जरूर किया जा सकता है।

बॉडी लैंग्वेज सही रखें

यह एक तरह का नॉन-वर्बल कम्युनिकेशन होता है, जिसमें आप बिना कुछ बोले बॉडी के हाव-भाव से सब कुछ कह देते हैं। बॉडी लैंग्वेज को देखकर आप सामने वाले पर्सन के बारे में सब कुछ समझ जाते हैं, तो अगर आप अपनी कम्युनिकेशन स्किल्स को बढ़ाना चाहते हैं तो आपको अपनी बॉडी लैंग्वेज को सही रखना जरूरी है। अपनी बॉडी लैंग्वेज के द्वारा आप सामने वाले को अपनी बात आसानी से समझा सकते हैं, लोगों से बात करते समय या मीटिंग्स में जेब में हाथ डालकर या हाथों को फोल्ड करने नहीं रखना चाहिए है आपको सामने वाले को अपनी बात समझाने के लिए अपनी बॉडी लैंग्वेज का सही तरह से यूज करना चाहिए।

दूसरों की बातें ध्यान से सुनें

अगर आप अपनी कम्युनिकेशन स्किल्स को इंप्रूव करना चाहते हैं तो आपको कोई दूसरों भी बात को भी बहुत ही ध्यान से सुनना होगा। इससे आप उसकी बातों को अच्छे से समझ सकेंगे। शुरुआत में बात करते समय आपसे कुछ गलतियां भी हो सकती हैं, लेकिन जब आप डेली प्रैक्टिस करते रहेंगे तो गलतियां कम होंगी और आप सही से कम्युनिकेशन कर सकेंगे। इसीलिए किसी भी बात को अच्छे से सुनिए फिर बोलना सीखिए।

सामने वाले को समझें

अगर आप किसी से कम्युनिकेशन कर रहे है, तो आपको उसकी बातों को अच्छे से समझने के साथ उसे भी समझना होगा कि वो आपसे क्या कहना चाहता है। तभी आप उसके साथ कम्युनिकेशन कर पाएंगे। इसलिए पहले सामने वाले पर्सन की बातों को अच्छे से समझें कि वो क्या कहना चाहता है, कैसा एक्सप्रेशन दे रहा है और उसको अच्छे से समझने के बाद आप अपना जवाब दें।

सही शब्दों का प्रयोग करें

किसी से बात करते समय आपको सही शब्दों का यूज करना चाहिए। इसके लिए डेली नये शब्दों को सीखें और उन्हें लोगों से बात करते समय यूज करें। स्टार्टिंग में आपको लोगों से बात करते समय अपनी आवाज को स्लो रखना है और सही शब्दों को बोलना है, बहुत बार ऐसा होता है कि जल्दी-जल्दी में लोग कम्युनिकेशन करते समय गलत शब्दों का प्रयोग कर जाते हैं, आपको धीरे बोलना है और अपने शब्दों को स्पष्ट बोलना है। जिससे सामने वाला व्यक्ति आपकी बात को अच्छे से समझ सके।



रोज प्रैक्टिस करें

अगर आप दिल से अपनी कम्युनिकेशन स्किल को इम्प्रूव करना चाहते हैं, तो आपको डेली प्रैक्टिस करनी होगी। आपको डेली कम्युनिकेशन के कुछ वर्ड्स याद करने होंगे और इन याद किये गये वर्ड्स को हफ्ते में 2 बार दोहराना होगा। क्योंकि अगर आप एक बार पढ़ने के बाद इन्हें दोबारा देखेंगे नहीं तो भूल जायेंगे। रोज थोड़ा टाइम अपनी कम्युनिकेशन पर दीजिए, डेली कुछ नये वर्ड्स सीखिए। इससे आपकी कम्युनिकेशन स्किल बेहतर होगी।

प्वॉइंट टू प्वॉइंट बात करें

चाहे आपका फ्रेंड हो या कोई अन्य व्यक्ति, किसी से भी बात करते समय ध्यान रखें कि आपको प्वॉइंट टू प्वॉइंट बात करना है। किसी से बात करना होता है तो आपको बिना डरे खुल कर बात करना चाहिए। अगर आप इधर उधर की बात करेंगे तो जिस प्वाइंट पर आप बात करना चाहते हैं, उसपर नहीं कर पाएंगे। साथ ही सामने वाला व्यक्ति भी कंफ्यूज रहेगा।

आई कांटेक्ट रखें

यह ध्यान रखें कि आप जब भी किसी से बात करें तो सामने वाले से आई कांटेक्ट बनाये रखें। इससे हमारी सिंसेरिटी और इंटरेस्ट दिखाई देता है और साथ ही हमारे इमोशन्स भी साफ-साफ दिखाई देते हैं। ये हमारी कम्युनिकेशन स्किल्स को भी इफेक्टिव बनती है। वहीं ऐसे बात करते समय आपका कॉन्फिडेंस भी बढ़ता है।

कॉफिडेंट रहें

किसी से बात करते समय कॉफिडेंट रहना जरूरी होता है। यह तभी हो पाएगा जब आप निडर होंगे, श्योर होंगे और जब आप बाहर की आवाजों पर डिपेंडेंट नहीं होंगे। इसीलिए स्टार्टिंग में जब भी आप किसी से बात करें, तो अपनी गलतियों से डरे नहीं, क्योंकि गलतियां होना एक नार्मल बात है, लेकिन जब धीरे-धीरे आप बोलना सीख लेंगे, आपकी कम्युनिकेशन स्किल्स अच्छी हो जाएगी तो आप पूरे कॉन्फिडेंस के साथ किसी भी फंक्शन में, पार्टी में, मीटिंग्स में या कहीं पर भी बोल सकेंगे।

रुद्रप्रयाग में 156 करोड़ की पुल–सुरंग परियोजना का ट्रायल शुरू

रुद्रप्रयाग। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को रुद्रप्रयाग में चारधाम सड़क परियोजना के अंतर्गत निर्मित पुल–सुरंग परियोजना का अवलोकन किया। लगभग 156 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस परियोजना पर ट्रायल के आधार पर आवागमन शुरू कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल्द ही इसका विधिवत लोकार्पण किया जाएगा। परियोजना के तहत अलकनंदा नदी पर 200 मीटर लंबा पुल और 900.30 मीटर लंबी सुरंग बनाई गई है। संपर्क मार्ग सहित इसकी कुल लंबाई लगभग 1.18 किलोमीटर है। यह मार्ग केदारनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच–107) को बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच–07) से जोड़ेगा।



चारधाम यात्रियों को मिलेगी जाम से राहत

मुख्यमंत्री ने कहा कि पुल–सुरंग मार्ग पर नियमित यातायात शुरू होने से केदारनाथ और बदरीनाथ जाने वाले तीर्थयात्रियों को रुद्रप्रयाग बाजार से होकर नहीं गुजरना पड़ेगा। इससे शहर में यातायात का दबाव कम होगा और स्थानीय निवासियों के साथ श्रद्धालुओं को जाम की समस्या से राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा को सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। बेहतर सड़क संपर्क से पर्यटन, स्थानीय व्यापार और रोजगार को भी बढ़ावा मिलेगा।मुख्यमंत्री ने रुद्रप्रयाग–गौरीकुंड राष्ट्रीय राजमार्ग पर भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में चल रहे ढलान सुरक्षा एवं स्थिरीकरण कार्यों की जानकारी भी ली। इन कार्यों का उद्देश्य भूस्खलन के जोखिम को कम कर यात्रा मार्ग को सुरक्षित बनाना है।

संगम लाइब्रेरी में 2,500 से अधिक पुस्तकें उपलब्ध

मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन के अभियान एक पुस्तक दान करें, ज्ञान का वृक्ष लगाएं के तहत संचालित संगम लाइब्रेरी का भी अवलोकन किया और इस पहल की सराहना की। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा की पहल पर शुरू किए गए अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों में पढ़ने की रुचि बढ़ाना तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए उपयोगी अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराना है।

अभियान के तहत संगम लाइब्रेरी को अब तक 2,500 से अधिक पुस्तकें प्राप्त हो चुकी हैं। इनमें प्रतियोगी परीक्षाओं, सामान्य ज्ञान, साहित्य और विभिन्न विषयों से संबंधित पुस्तकें शामिल हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी अभियान में 150 पुस्तकें दान कर योगदान दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पुस्तकें ज्ञान अर्जित करने और व्यक्तित्व निर्माण का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। पुस्तक दान अभियान से विशेष रूप से उन युवाओं को लाभ मिलेगा, जिन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अध्ययन सामग्री की आवश्यकता है। उन्होंने जनसहभागिता से पुस्तकालयों को समृद्ध बनाने की पहल को युवाओं में अध्ययन संस्कृति विकसित करने की दिशा में सराहनीय कदम बताया।

जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने बताया कि अभियान के तहत प्राप्त पुस्तकों को विद्यार्थियों और अन्य पाठकों के लिए उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं को विशेष लाभ मिल रहा है।

अहंकार त्याग कर ईश्वर के प्रति समर्पण भाव रखें

बदरीनाथ। बदरीनाथ धाम में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन स्वामी रामललाचार्य महाराज ने श्रद्धालुओं को भक्ति, अध्यात्म और निरहंकारिता का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि भक्ति और अध्यात्म के मार्ग पर चलकर मनुष्य के अंतःकरण में ज्ञान का प्रकाश प्रकट होता है।

अहंकार का त्याग कर ईश्वर के प्रति समर्पण भाव रखना चाहिए।स्वामी रामललाचार्य महाराज ने कहा कि भगवान का नाम जपने के लिए किसी विशेष दिन, समय या परिस्थिति का इंतजार नहीं करना चाहिए। मनुष्य को निरंतर भगवान का स्मरण करते रहना चाहिए। नियमित रूप से प्रभु का नाम जपने से मन को शांति मिलती है और व्यक्ति अध्यात्म के मार्ग पर आगे बढ़ता है। उन्होंने श्रद्धालुओं को जीवन में भक्ति भाव अपनाने, अहंकार से दूर रहने और ईश्वर के प्रति आस्था बनाए रखने का संदेश दिया।

मांगों के संबंध में उप समिति गठित, 15 दिन में देगी रिपोर्ट

बदरीनाथ।बदरीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति के अस्थायी कर्मचारियों का दो सप्ताह से चल रहा आंदोलन मंगलवार को स्थगित हो गया। बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी के साथ बैठक के बाद संयुक्त कर्मचारी संघ ने यह निर्णय लिया। कहा गया कि मांगों के संबंध में उप समिति गठित की गई है। यह समिति 15 दिन में अपनी रिपोर्ट देगी। बीकेटीसी के अस्थायी कर्मचारी वन टाइम सेटलमेंट सहित अन्य मांगों के लिए दो सप्ताह से आंदोलन कर रहे हैं। मंगलवार को बदरीनाथ में बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी की अध्यक्षता में बैठक हुई। हेमंत द्विवेदी ने बताया कि 24 अक्तूबर को ऋषिकेश में अस्थायी कर्मियों की मांगों के लिए लेकर उप समिति गठित की गई है। बीकेटीसी के दोनों उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती व विजय कपरवाण की अध्यक्षता में गठित यह समिति कमेटी 15 दिन में अपनी रिपोर्ट देगी। कहा कि अस्थायी कर्मचारियों की भावनाओं के अनुरूप उचित व समयबद्ध समाधान किया जाएगा। बैठक में सहमति के बाद धरना स्थल पर पहुंचकर बीकेटीसी अध्यक्ष ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप बीकेटीसी व शासन के स्तर पर प्रक्रिया विचाराधीन है।

इसके बाद कर्मचारियों ने आंदोलन स्थगित कर दिया। कर्मचारियों ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि उनकी मांगों पर जल्द उचित व बेहतर निर्णय लिया जाएगा। बैठक में बदरीनाथ धाम के रावल अमरनाथ नंबूरी, चारधाम यात्रा सलाहकार माधव सेमवाल, बीकेटीसी वरिष्ठ सदस्य धीरज पंचभैया, राकेश भंडारी, मुख्य कार्याधिकारी सोहन सिंह रंगड़, मीडिया प्रभारी डॉ. हरीश गौड़, अमित बंदोलिया, इंदु देवी, योगिता चौहान, हरीश बिष्ट आदि मौजूद रहे।

15 दिन बाद बीकेटीसी के अस्थायी कर्मचारियों की हड़ताल हुई खत्म

चमोली। बदरीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति के अस्थायी कर्मचारियों का चला आ रहा क्रमिक अनशन आज बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत दिवेदी की पहल और सकारात्मक बातचीत के बाद कर्मचारियों ने अपनी हड़ताल खत्म कर दी है। पिछले 15 दिनों से 'वन टाइम सेटलमेंट' और 'समान वेतन समान अधिकार' जैसी प्रमुख मांगों को लेकर बीकेटीसी के अस्थायी कर्मचारी बदरीनाथ धाम में क्रमिक अनशन पर बैठे थे। बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत दिवेदी ने मंगलवार को बद्रीनाथ धाम में अनशनकारियों और उनके प्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। इस दौरान 22 मार्च 2025 को वेतन वृद्धि को लेकर बनाई गई कमेटी की संस्तुतियों पर भी चर्चा की गई। कर्मचारियों की समस्याओं के स्थायी और निष्पक्ष समाधान के लिए बोर्ड के दोनों उपाध्यक्षों, वरिष्ठ अधिकारियों और प्रशासनिक अधिकारियों को शामिल करते हुए एक उच्च स्तरीय कमेटी का गठन कर दिया गया है। समिति ने आश्वासन दिया है कि आगामी 15 दिनों के भीतर कर्मचारियों के मांग पत्र पर पूरी गंभीरता से विचार कर एक सम्मानजनक समाधान निकाला जाएगा। सकारात्मक बातचीत के बाद कर्मचारियों ने राहत की सांस ली। हड़ताल समाप्त होने के बाद कर्मचारियों ने खुशी है।



शिविर में डॉक्टरों ने लोगों के स्वास्थ्य को जांचा

नई टिहरी। भिलंगना के राजकीय इंटर कॉलेज धमातोली में भारत हार्ट इंस्टीट्यूट एंड मल्टी सुपर स्पेशलिटी की ओर से निशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया। शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों ने 114 लोगों की जांच की। स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ एसएन जोशी ने किया।

उन्होंने ने कहा कि गीता परिवार की ओर से विगत कई वर्षों से निशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाए जा रहे हैं। गीता परिवार की ओर से जीआईसी धमातोली में 19 वां स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया है। डॉ जेपी नवानी, डॉ आरएस राणा, डॉ आशुतोष ने शिविर में आए लोगों के हृदय, हड्डी, सामान्य रोग, ईसीजी, ब्लड शुगर आदि की जांच कर निशुल्क दवा दी।

डीलरों ने ऑनलाइन राशन नहीं बांटा, अक्तूबर माह का अटका



देवाल। सितंबर माह में ऑनलाइन राशन वितरण न होने के कारण देवाल ब्लॉक के उपभोक्ताओं को अक्तूबर माह का राशन नहीं मिल पाया है। पंचायत प्रतिनिधियों और उपभोक्ताओं ने जिलाधिकारी से शीघ्र अक्तूबर माह का राशन भेजने की मांग की।विकास खंड में अंत्योदय के 419, खाद्य सुरक्षा के 2815 और राज्य योजना के अंतर्गत एपीएल के 2480 उपभोक्ता हैं। ब्लॉक में कुल 52 डीलर हैं लेकिन इन डीलरों को अक्तूबर माह का राशन नहीं मिला है। बताया जा रहा है कि डीलरों ने इससे पहले के माह में राशन का वितरण ऑनलाइन नहीं किया था। इसी कारण उन्हें अक्तूबर माह का राशन नहीं दिया गया। लिंगड़ी के डीलर मादो सिंह ने बताया कि उनके गांव को सितंबर और अक्तूबर दोनों माह का राशन नहीं मिला है। डीलर संघ के अध्यक्ष गोपाल सिंह ने बताया कि कनेक्टिविटी की समस्या और राशन वितरण मशीन खराब होने से ऑनलाइन वितरण नहीं हो पाया। देवाल साधन सहकारी समिति के सचिव विपिन मिश्रा ने कहा कि उनकी समिति के 671 राशन कार्डों में से केवल 100 ही ऑनलाइन हो पाए हैं। पूर्ति निरीक्षक मनोहर फस्वार्ण ने बताया कि सितंबर में डीलरों द्वारा ऑनलाइन राशन वितरण न करने के कारण आगे से ही राशन नहीं पहुंचा।

एसजीआरआर में लगा जागरूकता शिविर

कर्णप्रयाग। श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल में बाल सुरक्षा, पॉक्सो अधिनियम और साइबर अपराधों पर एक जागरूकता शिविर आयोजित हुआ। यह शिविर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चमोली के सुरक्षित बचपन अभियान के तहत था। शिविर में सिविल जज पुनीत कुमार, कानूनी सहायता रक्षा परामर्शदाता समीर बहुगुणा और अधिवक्ता मोहन पंत ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। पुनीत कुमार ने बच्चों को शोषण या दुर्व्यवहार की स्थिति में चुप न रहने और सहायता लेने के लिए प्रेरित किया। समीर बहुगुणा ने निशुल्क कानूनी सेवाओं की जानकारी दी। मोहन पंत ने पॉक्सो अधिनियम और साइबर अपराधों से बचाव के उपाय बताए।

संक्षिप्त समाचार

अंतर महाविद्यालय कबड्डी का खिताब राठ पैठाणी की टीम ने जीता

चंबा (टिहरी) हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय की अंतर–महाविद्यालय महिला वर्ग कबड्डी प्रतियोगिता का खिताब राठ महाविद्यालय पैठाणी की टीम ने जीता। बिड़ला परिसर श्रीनगर की टीम उपविजेता रही। परिसर निदेशक प्रो. एए बौड़ाई ने प्रतियोगिता की विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया।

केंद्रीय विवि के एसआरटी परिसर बादशाहीथौल में आयोजित महिला कबड्डी प्रतियोगिता के पहले मुकाबले में डीएवी पीजी कॉलेज देहरादून ने पौड़ी परिसर को 29– 20 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। दूसरे मुकाबले में एसआरटी परिसर टिहरी ने डीबीएस कॉलेज देहरादून को 42–29 से हराया। पहले सेमीफाइनल में बिड़ला श्रीनगर परिसर ने डीएवी देहरादून को 52–10 से हराकर फाइनल में जगह बनाई।

दूसरे सेमीफाइनल में राठ महाविद्यालय पैठाणी ने मेजबान बादशाहीथौल टिहरी परिसर की टीम को 30–25 से हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर दी। प्रतियोगिता के फाइनल मैच में राठ महाविद्यालय पैठाणी की टीम ने बिड़ला परिसर श्रीनगर की टीम को 60–12 से हराकर शानदार विजय प्राप्त कर हासिल कर महिला कबड्डी का खिताब अपने नाम किया।

महिला को जान से मारने की धमकी देने का आरोपी दोषमुक्त

नई टिहरी। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रिंकी साहनी की अदालत ने महिला की लज्जा भंग करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पंजीकृत अभियोग के आरोपी को दोष मुक्त करार दिया है।अभियोजन की ओर से बताया गया कि वादी ने कैंपटी थाने को दी तहरीर में बताया था कि वह होटल में मैनेजर है। 31 मई 2025 को उसके होटल में एक अपनी भतीजी के साथ रहने आया था। कमरा देने के कुछ देर बाद अंदर से आवाज आने लगी। शोर सुनते हुए सारा स्टाफ उस कमरे की तरफ गए। वह व्यक्ति अपनी भतीजी के साथ मारपीट कर रहा था। उन्होंने उसे रोकने की कोशिश की तो उसने मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी।उसके बाद उन्होंने 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी। तहरीर के आधार पर बीएनएस की विभिन्न धाराओं में आरोपी के खिलाफ अभियोग पंजीकृत कर जांच के बाद आरोप पत्र कोर्ट में दाखिल किया गया। बहस के दौरान आरोपी ने अभियोजन की ओर से दिए गए साक्ष्यों को झूठा करार देते हुए कहा कि उसकी वादिनी के साथ होटल की सर्विस को लेकर बहस हो गई थी। होटल स्टाफ होने के कारण झूठी गवाही दी गई। कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आरोपी को दोष मुक्त कर दिया।

सरकार मेडिकल कॉलेज का शासनादेश करे जारी

नई टिहरी। मेडिकल कॉलेज निर्माण संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले बौराड़ी के गणेश चौक में 88वें धरना तथा 57वें क्रमिक अनशन जारी रहा। मंगलवार को नागरिक मंच संरक्षक चंडी प्रसाद डबराल क्रमिक अनशन पर बैठे। जिला अस्पताल में ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिल जाती तो मरीजों को ऋषिकेश और देहरादून का रुख नहीं करना पड़ता। लोगों की स्वास्थ्य संबंधी परेशानी को देखते हुए सरकार को प्राथमिकता से जिला अस्पताल में मानकों के अनुरूप सुविधाएं उपलब्ध करनी चाहिए। इस मौके पर जीतराम भट्ट, कमल सिंह महर, शशी बहुगुणा, कुशाल सिंह नेगी, भगवान देई तोपवाल आदि मौजूद थे।

शिक्षकों की तैनाती और पार्किंग निर्माण का प्रस्ताव तैयार करें

ज्योतिर्मठ। बदरीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति के सलाहकार दायित्वधारी माधव प्रसाद सेमवाल ने ज्योतिर्मठ में बहुमंजिला सार्वजनिक पार्किंग निर्माण और ज्योतिर्मठ के जीआईसी में शिक्षकों की तैनाती के लिए संबंधित विभागों के उच्च अधिकारियों को पत्र भेजा। उन्होंने कहा कि ज्योतिर्मठ में यात्रा-काल में पार्किंग का अभाव बना रहता है। इससे नगर क्षेत्र में जाम की स्थिति बनी रहती है। उन्होंने जगत गुरु शंकराचार्य की तपस्थली के समीप बीकेटीसी की भूमि पर वाहन पार्किंग का सुझाव दिया। साथ ही विकास खंड मुख्यालय के समीप भी पार्किंग निर्माण के लिए ग्रामीण निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता को सर्वेक्षण कर प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए।

करवा चौथ की खरीदारी से बाजारों में बढ़ने लगी रौनक



नई टिहरी। करवा चौथ को लेकर बाजारों में खरीदारी तेज हो गई है। 29 अक्तूबर को मनाए जाने वाले पर्व के लिए महिलाएं साड़ी, सूट, चूड़ियां, मेहंदी और साज–शृंगार के सामान की खरीदारी में जुटी हैं। महंगाई के बीच महिलाएं पसंदीदा डिजाइन के साथ बजट का भी ध्यान रख रही हैं। कारोबारियों को पर्व नजदीक आने के साथ बिक्री बढ़ने की उम्मीद है।

करवा चौथ पर मेहंदी महिलाओं के शृंगार का अहम हिस्सा है। हाथों पर बारीक बेल–बूटों, अरेबिक पैटर्न और पारंपरिक भरे हुए डिजाइन पसंद किए जा रहे हैं। पर्व के दिन भीड़ और समय की कमी से बचने के लिए महिलाएं मेहंदी कलाकारों से पहले ही समय ले रही हैं। व्यापारी राकेश लांबा ने बताया कि करवा चौथ के लिए बाजार में साड़ियों के साथ डिजाइनर सूट, लहंगा–साड़ी और अन्य पारंपरिक परिधानों के विकल्प उपलब्ध हैं।

लाल, मैरून और गुलाबी रंग के परिधानों के साथ सुनहरी कढ़ाई वाले डिजाइन भी महिलाएं पसंद कर रही है। ब्यूटी पार्लर एवं बुटिक संचालक रोशनी रावत ने बताया कि करवा चौथ को लेकर महिलाएं सजने–संवरने और मनपसंद परिधान तैयार कराने के लिए पहले से बुकिंग करा रही हैं। महिलाएं अपने कपड़ों के रंग और डिजाइन के अनुरूप मेकअप व हेयर स्टाइल पसंद कर रही हैं।

पर्दों के फेर में अटका पंचकर्म सेंटर का संचालन

नई टिहरी। भिलंगना ब्लॉक के पौखाल स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर में पंचकर्म की सुविधा शुरू होने का इंतजार लंबा खिंच सकता है। करीब एक साल पहले पंचकर्म सेंटर के लिए लाखों के उपकरण पहुंच चुके हैं लेकिन दो पंचकर्म सहायकों के पदों को शासन स्तर से स्वीकृति नहीं मिलने के कारण संचालन अटका हुआ है। ऐसे में कमरों में बंद उपकरणों का उपयोग नहीं हो पा रहा है जबकि स्थानीय लोग लंबे समय से सेंटर शुरू करने की मांग करते आ रहे हैं।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर में डॉक्टर और फार्मासिस्ट कार्यरत हैं, लेकिन पंचकर्म सुविधा के संचालन के लिए जरूरी पदों का सृजन नहीं हो पाया है। पंचकर्म के तहत तेल मालिश, भाप चिकित्सा और शिरोधारा जैसी प्रक्रियाएं की जाती हैं। सेंटर के लिए उपकरण पहुंचने के बावजूद उक्त सुविधाओं का लाभ क्षेत्र के लोगों को नहीं मिल पा रहा है।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

सड़क सुधारीकरण और डामरीकरण कार्य में घटिया गुणवत्ता का आरोप

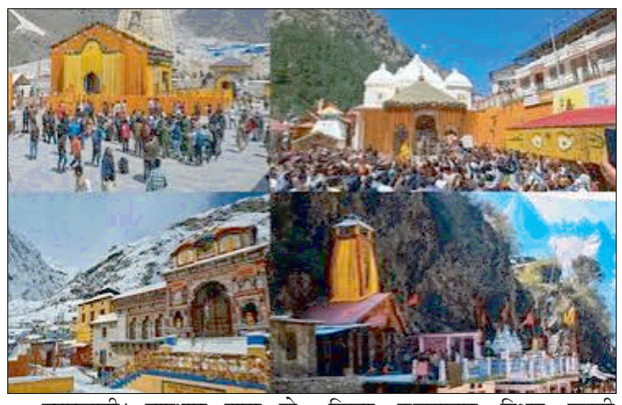
थत्यूड़ (टिहरी)। जौनपुर ब्लॉक में थत्यूड़–ककड़ू मोटर मार्ग के सुधारीकरण और डामरीकरण कार्य में घटिया गुणवत्ता का आरोप लगाया गया है। स्थानीय लोगों ने लोनिवि की कार्यप्रणाली पर रोष जताते हुए डामरीकरण की जांच कराने की मांग की है।

क्षेत्र पंचायत सदस्य अनीश कुमार ने कहा कि लोनिवि इन दिनों थत्यूड़–ककड़ू मोटर मार्ग पर सुधारीकरण और डामरीकरण कार्य कर रहा है लेकिन इसमें गुणवत्ता का कोई ध्यान नहीं रखा जा रहा है।

उन्होंने कहा कि विभागीय मिली भगत से सड़क सुधारीकरण–डामरीकरण में घटिया निर्माण सामग्री का प्रयोग किया जा रहा है। पेंटिंग की गुणवत्ता खराब होने से कई जगहों पर डामर उखड़ रहा है।

शिकायत पर अधिशासी अभियंता आदर्श गोपाल मौके पर पहुंचे। उन्होंने सड़क सुधारीकरण–डामरीकरण कार्य का निरीक्षण करते हुए कहा कि डामरीकरण करने के लिए तापमान अनुकूल होने पर ही पेंटिंग करने को कहा। उन्होंने मौके पर मौजूद अवर अभियंता और ठेकेदार को डामरीकरण कार्य गुणवत्ता के साथ सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक ही करने के निर्देश दिए।

चारधाम यात्रा के अंतिम चरण में मंदिरों में उमड़ी भीड़



उत्तरकाशी। चारधाम यात्रा के अंतिम चरण में गंगोत्री और यमुनोत्री धाम समेत जनपद के विभिन्न मंदिरों में दर्शन के लिए तीर्थयात्रियों की भीड़ उमड़ रही है। यात्रा के समापन से पहले श्रद्धालुओं की बढ़ती आवाजाही से धार्मिक स्थलों पर रौनक बढ़ गई है।

यमुनोत्री धाम के पैदल मार्ग पर नगल के समीप स्थित शिव गुफा मंदिर में इन दिनों बड़ी संख्या में तीर्थ यात्री दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। जिला मुख्यालय स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर में भी दर्शन पूजन के लिए श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी है। इसके अलावा चारधाम यात्रा मार्गों पर स्थित अन्य मंदिरों में भी तीर्थ यात्रियों की भीड़ देखने को मिल रही है।

शिव गुफा मंदिर के पुजारी राममूर्ति सिलवाल ने बताया कि चारधाम यात्रा के अंतिम चरण में कई वर्षों बाद इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

रेलवे बोर्ड द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार, मुरादाबाद डिवीजन के भिटौरा रेलवे स्टेशन पर गति शक्ति मल्टीमॉडल कार्गो टर्मिनल के विकास के लिए ई–टेंडरिंग मोड के माध्यम से www.ireps.gov.in पर निविदा आमंत्रित करने का नोटिस (NIT) प्रकाशित किया है।

क्रम संख्या	स्टेशन	परियोजना की लागत	अग्रिम राशि जमा (रुपये में)	निविदा दस्तावेज की कीमत GST सहित	टेंडर क्लोजिंग डेट
1	भिटौरा (BTO)	Rs. 22,76,12,673.8	Rs. 2,27,61,300	Rs. 11,800	20.11.2026

दिनांक 02.11.2026 को होने वाली प्री–बिड मीटिंग के लिए, इच्छुक पक्ष कृपया अपनी पुष्टि और सवाल srdcmfsmb@gmail.com पर ईमेल करें। No. 48-Goods/ GCT/BTO/MB/23C
Date: 27.10.2026 3759/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य विद्युत अभियन्ता/निर्माण, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद निम्नलिखित कार्य के लिए (एकल पैकेट प्रणाली) के अन्तर्गत खुली ई–निविदा आमंत्रित करते हैं:–

1	ई–निविदा एनआईटी सं.	17–विद्युत/नि./टी.आर.डी./एम.बी./145
2	कार्य का नाम व स्थान	मुरादाबाद मंडल के चोडियाला और दलेलनगर स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में लॉन्गर लूप (लंबे लूप) के विद्युतीकरण कार्य, अगवानपुर स्टेशन पर साइडिंग के विस्तार, जंग बहादुर गंज स्टेशन पर गुड्स हैंडलिंग लाइन (माल संचालन लाइन), कौरहा स्टेशन पर नए गुड्स शेड (माल शेड), रोजा में क्रॉसओवर शिफ्टिंग, सीतापुर सिटी स्टेशन यार्ड में किमी 78/130.201 पर समपार फाटक (लेवल क्रॉसिंग) संख्या–51 'एसपीएल' क्लास के बदले आरओबी (ROB), शारदा नहर पर रेलवे किमी 14/305.923 पर ब्रिज (पुल) संख्या 13 डाउन मेन लाइन, सीतापुर सिटी में स्विचिंग पोस्ट (SP) के 25 केवी (kV) एसी सिंगल फेज ओएचई (OHE) के डिजाइन, आपूर्ति, इरेक्शन (स्थापना), परीक्षण और कमीशनिंग का कार्य तथा उप मुख्य विद्युत इंजीनियर / निर्माण / मुरादाबाद के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आने वाला कोई भी अन्य साइट।
3	कार्य पूरा करने की अवधि	18 (अठारह) माह
4	कार्य की अनुमानित लागत	रुपए 9,32,30,239.28
5	बयाना राशि जो जमा की जानी है (निविदा दस्तावेज के खण्ड 3.0 के अनुसार)	रुपए 18,64,600.00
6	ई–निविदा जमा करने एवं ई–निविदा खुलने की तिथि व समय	निविदा दिनांक 18.11.2026 समय 15:00 बजे तक आईआरईपीएस की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अपलोड कर सकते हैं। निविदाकर्ता ई–निविदा में भाग ले सकते हैं। निविदा दिनांक 18.11.2026 समय 15:00 बजे खोली जाएगी।
6	निविदा सूचना एवं निविदा प्रपत्र की जानकारी	विस्तृत ई–निविदा एवं निविदा प्रपत्र आईआरईपीएस की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है । उपरोक्त निविदा प्रपत्र आईआरईपीएस की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर दिनांक 04.11.2026 से दिनांक 18.11.2026 तक जमा करने के लिए उपलब्ध रहेगा। निविदाकर्ता जो ई–निविदा में भाग लेने को इच्छुक है उनको सलाह दी जाती है कि उपरोक्त वेबसाइट पर अपना ई–पंजीकरण करा ले जिसके लिए उन्हें क्लास ।।। डिजिटल प्रमाणपत्र की आवश्यकता होगी (यदि पहले से उपलब्ध नही है), जो आई टी नियम–2000 के अन्तर्गत सीसीए द्वारा जारी की जाएगी। उपरोक्त निविदा के अन्य सभी नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में दिये गये है। केवल ई–निविदाएं ही स्वीकार की जाएंगी तथा किसी अन्य रूप में प्रस्तुत निविदाएं तुरन्त अस्वीकार कर दी जाएंगी।

प्रपत्र सं0 17–विद्युत/नि./टी.आर.डी./एम.बी./145 दिनांक: 27.10.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3756/26

उत्तर रेलवे

इलेक्ट्रोनिक निविदा ई प्रणाली के अन्तर्गत मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली–110001 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मदों के लिये ई–निविदा आमंत्रित की जाती है :–

क्र0 सं0	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
01	09272189	ब्रेक वियर प्लेट	58151 नग	16–11–26
02	09262418	साइड फ्रेम क्रिक्शन लाइनर (इन सेट) फॉर कास्ट स्टील बोगी ऑफ बी एल सी वैगन	6499 नग	23–11–26
03	09272463	ब्रेक बीम फॉर कास्ट स्टील बोगी	1693 नग	25–11–26
04	09272181	ब्रेक बीम	1930 नग	07–12–26

निविदा शर्तें – 1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानी www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जायेगी।
टेंडर नोटिस सं. 53/2026–2027 दिनांक:–26.10.2026 3721/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/मुख्यालय/मुरादाबाद द्वारा ई टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आमंत्रित किये जाते है। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपॉजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

Tender No Date	228-DRM-MB-26-27 dt. 27.10.2026
Name of Work	Raising of existing rail level PF to High level PF and foundation and civil work of FOB at Babrala station under ADEN/CH.
Tender Closing Date	20/11/2026
Advertised Value (Rs.)	2,49,86,481.11
Earnest Money (Rs.)	4,99,700.00
Tender Cost (Rs.)	00
Bidding Start Date	06/11/2026
Period of Completion	10 Months

पत्रांक: 75-W/2/3/WA/Publication दिनांक: 27.10.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3758/26

मुनीबा अली आईसीसी विमेंस इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी में पाकिस्तान की कप्तान होंगी

लाहौर। विकेटकीपर-बल्लेबाज मुनीबा अली आईसीसी विमेंस इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी 2026 में पाकिस्तान की कप्तानी होंगी। आयशा जफर उपकप्तान होंगी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने मंगलवार को टूर्नामेंट के लिए 14 सदस्यीय टीम की घोषणा की। टूर्नामेंट 10 टीमों के बीच 12 से 25 नवंबर तक अजमान, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेला जाएगा। पाकिस्तान टीम पहली बार इस टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही है। टूर्नामेंट की शुरुआत 2025 में हुई थी। टीम में मुनीबा और आयशा के अलावा पांच और बल्लेबाज–इमान नसीर, इमान फातिमा, सदफ शमास, सायरा जबीन और शव्वाल जुल्फिकार–हैं। गुल फिरोजा, जिन्हें हाल ही में नेशनल विमेंस टी20 टूर्नामेंट में श्रेष्ठ विकेटकीपर-बल्लेबाज चुना गया था, को भी शामिल किया गया है। लेफ्ट-आर्म स्पिनर नशरा सुंधू गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व करेंगी। उन्हें स्पिनर मोमिना रियासत, तुबा हसन और उम्म-ए-हानी का सहयोग मिलेगा। तस्मिया रुबाब और वहीदा अख्तर फ्रंटलाइन पेस ऑप्शन हैं। पाकिस्तान अपने नियमित कप्तान फातिमा सना के बिना खेलेगी। सना इस दौरान ऑस्ट्रेलिया में विमेंस बिग बैश लीग खेल रही होंगी। टीम के पिछले असाइनमेंट से 12 खिलाड़ियों ने अपनी जगह बनाए रखी है, जबकि सदफ शमास और वहीदा अख्तर को वापस बुलाया गया है। पाकिस्तान, जिसने हाल ही में जापान में एशियन गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल जीता था, को ग्रुप बी में डिफेंडिंग चैंपियन थाईलैंड, बांग्लादेश, नीदरलैंड्स और जिम्बाब्वे के साथ रखा गया है। ग्रुप ए में श्रीलंका, आयरलैंड, स्कॉटलैंड, पापुआ न्यू गिनी और मेजबान यूएई शामिल है।



पाकिस्तानी टीम

मुनीबा अली सिद्दीकी (कप्तान, विकेटकीपर), आयशा जफर (उपकप्तान), इमान नसीर, इमान फातिमा, गुल फिरोजा (विकेटकीपर), मोमिना रियासत, नशरा सुंधू, सदफ शमास, सायरा जबीन, शव्वाल जुल्फिकार, तस्मिया रुबाब, तुबा हसन, उम्म-ए-हानी, वहीदा अख्तर।

अरशद शेख एशियन पैरा गेम्स के दौरान हुई इंजरी से रिकवर कर रहे हैं

नई दिल्ली। जापान के आइची-नागोया में एशियन पैरा गेम्स में पुरुषों के टाइम ट्रायल के दौरान हुए क्रैश में लगी चोटों की सर्जरी के बाद भारतीय पैरा-साइक्लिस्ट अरशद शेख ठीक हो रहे हैं। शेख के बाएं फीमर में डिस्प्लेस्ड फ्रैक्चर के बाद उनका शिजुओका प्रीफेक्चर के चुटोएन जनरल मेडिकल सेंटर में इलाज चल रहा है। यह चोट शेख के लिए



खास तौर पर गंभीर है, जो घुटने के ऊपर से एंप्यूटी (अंगहीन) हैं और चलने-फिरने तथा कॉम्पिटिशन के लिए प्रोस्थेसिस पर निर्भर हैं। जापान में भारतीय एंबेसडर नगमा मोहम्मद मलिक सोमवार को एथलीट से मेडिकल फैसिलिटी में मिलीं और उनके जल्दी ठीक होने की कामना की। उन्होंने शेख और उनकी टीम को यह भी भरोसा दिलाया कि जब तक उन्हें घर लौटने के लिए मेडिकली क्लियर नहीं किया जाता, तब तक भारतीय एंबेसी जरूरी मदद देगी। खेल मंत्रालय और स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) एंबेसी के साथ कोऑर्डिनेट कर रहे हैं और एथलीट के साथ रेगुलर कॉन्टैक्ट में हैं, ताकि यह पक्का हो सके कि उसे ठीक होने के दौरान जरूरी सपोर्ट मिले।

कोहली ने हैरी केन को 'बैलन डी'ओर' के लिए दी बधाई

कहा- आप इस सम्मान के हकदार हैं



नई दिल्ली। भारतीय टीम के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने इंग्लैंड के फुटबॉल कप्तान हैरी केन को प्रतिष्ठित बैलन डी'ओर अवॉर्ड से सम्मानित होने पर बधाई दी है। विराट ने कहा कि केन इस अवॉर्ड के हकदार हैं।

इंग्लैंड के कप्तान ने फ्रांस के काइलियन एम्बाप्पे और स्पेन के लामिन यामाल जैसे खिलाड़ियों को हराकर यह प्रतिष्ठित अवॉर्ड जीता। केन को यह अवॉर्ड लंदन पैलेडियम थिएटर में हुए समारोह में दिया गया। वह सर स्टेनली मैथ्यूज (1956), सर बॉबी चार्लटन (1966), केविन कीगन (1978 और 1979), माइकल ओवेन (2001) के बाद यह अवॉर्ड जीतने वाले सिर्फ पांचवें अंग्रेज खिलाड़ी हैं। केन पिछले 25 साल में बैलन डी'ओर का खिताब पाने वाले इंग्लैंड के पहले खिलाड़ी हैं।

केन ने 2025/26 में बुंडेसलीगा में बायर्न म्यूनिख के लिए 36 गोल किए, जिससे स्ट्राइकर को दूसरा यूरोपियन गोल्डन शू मिला, जबकि जर्मन जायंट के लिए सभी कॉम्पिटिशन में उनके 61 गोल ने दुनिया



भर में सुर्खियां बटोरीं।

उन्हें गर्ड मुलर ट्रॉफी भी मिली, जो साल के बेस्ट मेन्स स्ट्राइकर को दी जाती है। यह दूसरी बार है जब उन्होंने यह अवॉर्ड जीता है, इससे पहले 2024 में उन्होंने काइलियन एम्बाप्पे के साथ यह अवॉर्ड साझा किया था। इंग्लिश स्ट्राइकर ने बायर्न म्यूनिख और इंग्लैंड के साथ गोल से भरा सीजन खेला, जिसमें उन्होंने 65 गेम में 73 गोल किए–जिनमें से 61 उनके क्लब के लिए और 12 उनके देश के लिए आए। केन के योगदान से इंग्लैंड फीफा विश्व कप 2026 में तीसरे स्थान पर रहा। 1966 में वर्ल्ड कप जीतने के बाद इंग्लैंड का यह सबसे अच्छा प्रदर्शन था।

'हैरी, मेरे दोस्त...', कोहली ने कही दिल की बात

कोहली ने एक्स पर लिखा, 'हैरी मेरे दोस्त, इतने सालों तक टॉप पर फुटबॉल खेलते हुए जिस लगन, कड़ी मेहनत और ईमानदारी से तुमने खुद को संभाला है, उसके लिए तुम इस अवॉर्ड के हर तरह से हकदार हो। तुम्हारे लिए सच में बहुत खुश हूं। भगवान तुम्हें और तुम्हारे परिवार को आशीर्वाद दें। वे सभी तुम पर बहुत गर्व करते होंगे, जैसे तुम्हें अपने सफर पर गर्व होता होगा। मेरी शुभकामनाएं हमेशा। बधाई हो।'



स्पेन की एलेक्सिया पुटेलस ने महिलाओं का 'बैलन डी'ओर' जीता, बोनमाटी की बराबरी की

नई दिल्ली। स्पेन की मिडफील्डर एलेक्सिया पुटेलस ने 2026 का 'बैलन डी'ओर' पुरस्कार जीता है। एलेक्सिया ने तीसरी बार यह पुरस्कार जीता है। वहीं, यह लगातार छठा साल है, जब स्पेन की किसी महिला फुटबॉलर ने इस सम्मान को हासिल किया है। एलेक्सिया पुटेलस 2021 और 2022 में भी 'बैलन डी'ओर' जीत चुकी हैं। पुटेलस ने स्पेन की अपनी साथी ऐताना बोनमाटी के रिकॉर्ड की बराबरी की। बोनमाटी ने 2023, 2024 और 2025 में लगातार तीन साल यह सम्मान हासिल किया था। पुटेलस को फीफा की टॉप-50 रैंकिंग वाले देशों के पत्रकारों के एक इंटरनेशनल पैनल से सबसे ज्यादा वोट मिले। पुटेलस के साथ सम्मान की रेस में बार्सिलोना की स्ट्राइकर इवा पाजोर और मैनचेस्टर सिटी की फॉरवर्ड खदीजा शॉ भी थीं। पाजोर दूसरे, जबकि खदीजा तीसरे नंबर पर रहीं। पुटेलस ने 2022 में खतरनाक एंटीरियर क्रूशिएट लिगामेंट की चोट से रिकवर करने के बाद यह सम्मान हासिल किया है। यह खेल के प्रति उनके जुनून का ही उदाहरण है। अवॉर्ड मिलने के बाद पुटेलस ने कहा, 'दुनिया भर के सभी लड़के और लड़कियां–अगर आपको फुटबॉल पसंद है और अगर आप फुटबॉल खेलना चाहते हैं, तो फुटबॉल खेलें। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप लड़के हैं या लड़की। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप कहां से आते हैं। अगर कोई आपसे कहे कि आप यह नहीं कर सकते, तो उसकी बात मत सुनो। खुद पर भरोसा रखो।' पिछले सीजन में पुटेलस ने अपने प्रदर्शन से दिखाया कि वह अभी भी दुनिया की एलीट खिलाड़ियों में से एक हैं। उन्होंने सभी प्रतियोगिताओं में 21 गोल किए और 13 असिस्ट किए।

सूर्यवंशी पर क्लूजनर का बड़ा बयान

'भारत को मिल गया अगला सुपरस्टार'

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर लांस क्लूजनर का मानना है कि भारतीय क्रिकेट में अगले दौर में आसानी से प्रवेश करने की क्षमता है। उन्होंने शुभमन गिल का समर्थन करते हुए कहा कि वे आने वाले कई सालों तक टीम का नेतृत्व कर सकते हैं। साथ ही, उन्होंने युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को भविष्य के संभावित सुपरस्टार के रूप में पहचाना है, जो विराट कोहली और रोहित शर्मा के संन्यास लेने के बाद उनकी जगह ले सकते हैं। क्लूजनर ने कहा कि कोहली और रोहित के कद को देखकर भारतीय क्रिकेट को अपनी अगली पीढ़ी को अपनाने से पीछे नहीं हटना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस खेल ने हमेशा ऐसे खिलाड़ी दिए हैं जो अपने पूर्ववर्तियों की विरासत को आगे बढ़ाने में सक्षम रहे हैं। साउथ अफ्रीका के पूर्व ऑलराउंडर, जो वर्तमान में अबू धाबी टी10 लीग में 'अरेबियन एसेस' के मुख्य कोच हैं, ने एक कार्यक्रम के दौरान 'आईएएनएस' से कहा, 'विराट और रोहित अतीत में जितने शानदार रहे हैं, एक न एक दिन उन्हें खेल से विदा लेनी ही होगी। लेकिन क्रिकेट की खूबी यही है कि यह चलता रहता है। कभी-कभी तो यह और भी मजबूत हो जाता है। जब हम खेलते थे, तो लोगों को कभी नहीं लगा था कि सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड कभी टूट पाएंगे। और अब लोग उन रिकॉर्ड्स को चुनौती दे रहे हैं। इसलिए, खिलाड़ी आते-जाते रहते हैं। यह एक दुखद दिन होता है जब आपके खेल और देश के दिग्गज खिलाड़ी संन्यास लेते हैं। लेकिन अच्छी बात यह है कि हमेशा युवा, अधिक फिट और तेज खिलाड़ी तैयार रहते हैं।' पूर्व ऑलराउंडर ने गिल को बल्लेबाजी में एक 'असली सुपरस्टार' बताया और कहा कि इस युवा कप्तान के लिए अगली चुनौती एक लीडर के रूप में अपनी जिम्मेदारियों को भारत के प्रमुख बल्लेबाज के रूप में अपनी भूमिका से अलग रखना होगा। उन्होंने कहा, 'व्यक्तिगत रूप से, मुझे पूरा यकीन है। मुझे लगता है कि वह इस काम के लिए बिल्कुल सही व्यक्ति हैं। बल्लेबाजी में वह एक असली सुपरस्टार हैं। उनके लिए बस यह सीखना जरूरी है कि एक बल्लेबाज के रूप में शुभमन गिल और एक कप्तान के रूप में शुभमन गिल की भूमिकाओं को कैसे अलग रखा जाए। सभी बेहतरीन कप्तानों ने इन दोनों चीजों को अलग-अलग रखना सीखा है। मुझे यकीन है कि उन्हें ऐसा करने के लिए कई मौके मिलेंगे और कई लोग होंगे जो उनकी मदद करेंगे, लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि बल्लेबाजी में वह बेहतरीन हैं। और कप्तानी की बात करें तो, अनुभवी कप्तानों को भी हमेशा कुछ न कुछ नया सीखना पड़ता है। उनके साथ भी ऐसा ही होगा। इसलिए, मैं उनके लिए बहुत उत्साहित हूं। मुझे लगता है कि वह एक सुपरस्टार हैं। उम्मीद है कि वह आने वाले कई सालों तक बहुत साहस और एक बड़े मकसद के साथ भारत के लिए खेलेंगे।' गिल का एक लीडर के रूप में सामने आना ऐसे समय में हुआ है जब भारत कोहली और रोहित के बाद के दौर की तैयारी कर रहा है। इन दोनों खिलाड़ियों ने एक दशक से भी ज्यादा समय तक भारतीय क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। भले ही उनके संन्यास लेने से एक बड़ी कमी महसूस होगी, लेकिन क्लूसनर का मानना है कि इस बदलाव को खेल के एक स्वाभाविक हिस्से के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि भारत की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता के लिए किसी खतरे के रूप में। उन्होंने सूर्यवंशी का उदाहरण देते हुए कहा कि भारतीय प्रतिभा की एक नई पीढ़ी पहले से ही सामने आ रही है।



न्यूजीलैंड 'ए' के खिलाफ तीसरा रेड-बॉल मैच खेल सकते हैं पंत

बुमराह की वापसी के आसार

नई दिल्ली। विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत 7 से 10 नवंबर तक लिंकन में न्यूजीलैंड 'ए' के खिलाफ होने वाले भारत 'ए' के तीसरे रेड-बॉल मैच में खेल सकते हैं, क्योंकि समय रहते पंत के 'साइड स्ट्रेन' से उबरने की उम्मीद है। इस महीने की शुरुआत में श्रीनगर में 'रेस्ट ऑफ इंडिया' टीम की कप्तानी करते हुए जम्मू-कश्मीर के खिलाफ जीत दिलाने के दौरान पंत को बाईं तरफ खिंचाव आ गया था, जिसके बाद से वे मैदान से दूर हैं। इस चोट के कारण वे दिल्ली के लिए रणजी ट्रॉफी मैच नहीं खेल पाए और न्यूजीलैंड 'ए' के खिलाफ शुरुआती दो चार-दिवसीय मैचों से भी बाहर रहे। पता चला है कि पंत बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में रिहैब कर रहे हैं और उन्होंने हल्के स्किल-आधारित अभ्यास शुरू कर दिए हैं। 'आईएएनएस' को एक सूत्र ने बताया, 'पंत ठीक हो रहे हैं और अगर उन्हें फिटनेस सर्टिफिकेट मिल जाता है, तो वे भारत 'ए' के तीसरे मैच के लिए उपलब्ध हो सकते हैं।

अगर सब कुछ योजना के अनुसार रहा, तो वे नवंबर के शुरुआती दिनों में न्यूजीलैंड के लिए रवाना हो सकते हैं। 'पंत की गैरमौजूदगी में, चयनकर्ताओं ने पहले दो चार-दिवसीय मैचों के लिए झारखंड के विकेटकीपर-बल्लेबाज कुमार कुशाग्र को उनकी जगह टीम में शामिल किया था। हाल ही में, जब झारखंड के कप्तान ईशान किशन को न्यूजीलैंड में टी20 सीरीज के लिए चुना गया, तब उन्हें (ईशान को) दाएं पैर के ऊपरी हिस्से (एडक्टर) में हल्की चोट लग गई थी। ऐसे में कुशाग्र को कवर के तौर पर टीम में बुलाया गया। माना जा रहा है कि स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी भारत 'ए' के तीसरे रेड-बॉल मैच में खेलते नजर आ सकते हैं, जो लिंकन के बर्ट सटक्लिफ ओवल में खेला जाना है।

बुमराह ने आखिरी बार अक्टूबर की शुरुआत में एशियन गेम्स में हिस्सा लिया था। इसके बाद, वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू व्हाइट-बॉल सीरीज और न्यूजीलैंड के मौजूदा दौरे पर उन्हें आराम दिया गया। यह भी माना जा रहा है कि तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा न्यूजीलैंड दौरे पर खेलने के लिए तैयार हैं। गुवाहाटी में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए वनडे मैच के दौरान उन्हें हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी, जिसके बाद से वह खेल से दूर थे। पंत, बुमराह और प्रसिद्ध न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल हैं।



जरमनप्रीत ने संन्यास की अटकलों को नकारा



नई दिल्ली। भारतीय हॉकी डिफेंडर जरमनप्रीत सिंह ने यह स्पष्ट कर दिया है कि एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के बाद उनका संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है, हालांकि ऐसी खबरें हैं कि हॉकी इंडिया 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक की तैयारियों के तहत चार वरिष्ठ खिलाड़ियों को चरणबद्ध तरीके से टीम से बाहर करने की तैयारी कर रही है। जरमनप्रीत का नाम उन चार खिलाड़ियों की सूची में शामिल होना है जिन्हें टीम से बाहर किया जा सकता है, यह एक आश्चर्य की बात है, क्योंकि कई पूर्व खिलाड़ियों का मानना था कि 30 वर्षीय खिलाड़ी ने कम से कम लॉस एंजिल्स ओलंपिक तक खेलने के लिए पर्याप्त प्रदर्शन किया है।

विंग-बैक के रूप में उन्होंने अपनी भूमिका में भारत के सबसे भरोसेमंद खिलाड़ियों में से एक के रूप में अपनी पहचान बनाई है, जो उच्च परिश्रम, आक्रामक क्षमता और रक्षात्मक अनुशासन का बेहतरीन संयोजन प्रस्तुत करते हैं।

जरमनप्रीत का मूल्य

जरमनप्रीत को लॉस एंजिल्स ओलंपिक तक टीम में बनाए रखने का उनका दावा उस भूमिका से और मजबूत होता है जिसे उन्होंने अपने पूरे करियर में बखूबी निभाया है। भारत ने विंग-बैक के तौर पर कई अन्य खिलाड़ियों को आजमाया है, लेकिन 30 वर्षीय जरमनप्रीत की कार्यकुशलता, आक्रमण में योगदान और रक्षात्मक कौशल का मेल कुछ ही खिलाड़ी कर पाए हैं। इन्हीं खूबियों के चलते ये मुख्य कोच क्रेग फुल्टन के पसंदीदा खिलाड़ी बन गए थे और जरमनप्रीत का नाम अक्सर टीम में शीर्ष पर होता था। पिच के दोनों छोर पर योगदान देने की उनकी क्षमता ने उन्हें भारतीय टीम का अहम हिस्सा बना दिया है, और इसी वजह से उन्हें टीम से बाहर करने की संभावना पूर्व खिलाड़ियों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। जरमनप्रीत ने 171 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और वह पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के अहम सदस्य थे। उनके नाम दो एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक भी हैं, क्योंकि वह 2022 और 2026 में खिताब जीतने वाली टीमों का हिस्सा थे। अर्जुन पुरस्कार विजेता का मानना है कि एक डिफेंडर के रूप में उनका विकास जारी है और वह अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को समाप्त करने के बजाय उन सुधारों को आगे बढ़ाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'मैंने अपने रक्षात्मक कौशल को बेहतर बनाने, अच्छे अवसर पैदा करने और टीम के प्रदर्शन में योगदान देने की कोशिश की है। मैं एक डिफेंडर के रूप में अपनी जिम्मेदारियों पर काम करना जारी रखूंगा और आगे सुधार करने का प्रयास करूंगा।'

जर्मनप्रीत की नजरें अधिनियम के शीर्षक पर हैं

पांच बार की चैंपियन और एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में सर्वोच्च रैंकिंग वाली टीम भारत इस टूर्नामेंट में प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगी। लेकिन जरमनप्रीत ने आत्मविश्वास में कमी न आने की चेतावनी देते हुए कहा कि एशियाई खेलों में हालिया सफलता के बावजूद टीम को हर मैच में उतनी ही तीव्रता से खेलना होगा। उन्होंने कहा, 'हमने हाल ही में एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता है, और हम यहां भी अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं। लेकिन हम किसी भी टीम को हल्के में नहीं ले सकते, हालांकि भारत हॉकी में एक मजबूत टीम है।' उन्होंने आगे कहा, 'हम पूरी ताकत के साथ खेल रहे हैं और एशिया की नंबर एक टीम हैं, लेकिन हम किसी भी प्रतिद्वंदी को कम नहीं आंकेंगे। हम टूर्नामेंट में एक-एक मैच पर ध्यान केंद्रित करेंगे।